संयम◆संस्कार◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-21 अंक- 192
पृष्ठ 8
गुरूवार
03 अप्रैल 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित    Email : shaharsamta@gmail.com    Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मियों में चिकनकारी कुर्ती वियर करना...
विचार- तकनीक के तनाव: मोबाइल पर जुआ?
खेल- पंजाब किंग्स को शुरुआती दो मैच...

## गरीब मुसलमानों की तकदीर बदलेगा नया वक्फ़ कानून

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने लोकसभा में विपक्ष के विरोध के बीच मुस्लिम धार्मिक संपत्तियों के प्रबंधन करने वाले वक्फ़ संशोधन विधेयक 2025 को पेश किया और कहा कि यह विधेयक किसी भी मस्जिद, दरगाह या अन्य किसी धार्मिक स्थान को हड़पने के लिए नहीं है बल्कि शुद्ध रूप से दान की गई संपत्ति के बेहतर प्रबंधन के लिए है ताकि मुस्लिम समाज के गरीबों एवं महिलाओं की तकदीर बदली जा सके। सदन में प्रश्नकाल के बाद आवश्यक दस्तावेज पटल पर रखवाने के उपरान्त अध्यक्ष ओम बिरला ने अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजीजू का नाम वक्फ़ संशोधन विधेयक 2025 तथा मुसलमान वक्फ निरसन विधेयक 2024 को सदन के विचार एवं पारित करने के लिए रखने को पुकारा। सदन में उपनेता एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी उपस्थित थे। विपक्ष की ओर से आरएसपी के नेता एन के प्रेमचंद्रन ने विधेयक के मसौदे पर आपत्ति जताते हुए कहा कि

किसी भी संयुक्त संसदीय समिति को विधेयक के पाठ को बदलने का हक नहीं है। अलबत्ता सरकार और मंत्री यह काम कर सकते हैं। इस पर गृह मंत्री श्री शाह ने स्पष्ट किया कि संयुक्त संसदीय समिति ने जिस मसौदे को स्वीकृति दी है, उसे केन्द्रीय मंत्रिमंडल की स्वीकृति दिलाने के बाद ही संसद में लाया गया है। इसलिए किसी नियम का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। श्री शाह ने कहा कि जेपीसी ने विधेयक में कई संशोधन किये हैं। कांग्रेस के जमाने में कमेटियां ठप्पा होतीं थीं। हमारे समय में कमेटियां विचार करके जरूरी परिवर्तन करतीं हैं। इसके बाद अध्यक्ष श्री बिरला ने विपक्ष की आपत्तियों को खारिज करके विधेयक को पेश करने की अनुमति प्रदान की। श्री रिजीजू ने विधेयक को सदन के समक्ष विचार के लिए प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति ने पूरे देश में तमाम वर्ग के लोगों के साथ व्यापक चर्चा के बाद अपनी रिपोर्ट दी थी और उसके आधार पर यह विधेयक पारित कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जेपीसी ने इस विधेयक के बारे में अभूतपूर्व परिश्रम किया है। करीब 97 लाख, 27 हजार 772 सुझावों, अपीलों, ज्ञापनों एवं सिफारिशों का निस्तारण किया है। सभी राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों, अलग अलग संगठनों, धार्मिक समुदायों, शोधकर्ताओं आदि ने अपने विचार साझा किये हैं। उन्हें पूरा विश्वास है कि जो लोग इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं, इसके तथ्यों के बारे

**● जेपीसी ने विधेयक में कई संशोधन : अमित शाह**

में जानकर उनका दिल बदलेगा और वे सब समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह विधेयक शुद्ध रूप से संपत्ति के प्रबंध का मामला है और इससे किसी धर्म के कार्यकलाप में कोई हस्तक्षेप नहीं होता है। उन्होंने कहा, " सरकार किसी धार्मिक कार्य में हस्तक्षेप नहीं कर रही है...यह कोई मंदिर, मस्जिद का विषय नहीं है। यह शुद्ध रूप से संपत्ति के प्रबंधन से जुड़ा मामला है।" उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों का प्रबंध मुतव्वली करता है और यह विधेयक उसी प्रबंध से संबंधित है। संसदीय कार्य मंत्री ने इस संबंध में केरल और इलाहाबाद उच्च न्यायालयों तथा उच्चतम न्यायालय के तीन निर्णयों का उल्लेख करते हुये कहा कि तीनों ही निर्णयों में न्यायालयों ने स्पष्ट किया है कि मुस्लिम वक्फ या हिन्दू मंदिरों की संपत्तियों के प्रबंध का काम स्वाभाविक रूप से सेक्युलर (गैरधार्मिक प्रकृति का काम) है। उन्होंने विपक्षी सदस्यों की टोका–टोकी के बीच कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक के बारे में 'आप यह तर्क बंद करें, कि मुसलमानों (की संपत्ति) के मामले में गैर–मुस्लिम को क्यों जोड़ा जा रहा है।' मंत्री ने विपक्ष खासकर कांग्रेस पर वोट बैंक की निरर्थक राजनीति करने का आरोप लगाते हुये कहा कि 2014 के चुनाव के ठीक पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार ने शहरी विकास मंत्रालय की दिल्ली में 123 संपत्तियों को दिल्ली वक्फ बोर्ड को हस्तांतरित कर दिया था। श्री रिजिजू ने कहा, "आपको तो इसका फायदा हुआ नहीं, आप चुनाव हार गए। फिर ऐसा काम क्यों करते हैं।" उन्होंने कहा कि विपक्ष को इस विधेयक पर चर्चा करनी चाहिए और इसको लेकर कोई भ्रम पैदा नहीं करना चाहिए। यह विधेयक किसी के खिलाफ नहीं है, बल्कि मुसलमानों के हित में है और तमाम मुसलमान चाहते हैं कि वक्फ की संपत्तियों का कायदे से प्रबंध हो। मंत्री ने कहा कि इसमें वक्फ़ प्रबंधन समिति में 22 लोगों में से 10 मुस्लिम समाज के लोग, दो पूर्व न्यायाधीश, एडवोकेट, मुस्लिम महिलाएं, दो गैर मुस्लिम सदस्य होंगे। उन्होंने कहा कि वक्फ़ संशोधन विधेयक में देश के कानूनों को जगह देकर ट्रिब्यूनल में लंबित हज़ारों केसों को निस्तारित करने का रास्ता खोजा है। उन्होंने कहा कि यह कहा जा रहा है कि सेना एवं रेलवे के बाद वक्फ़ के पास सबसे ज़्यादा ज़मीन है। तो यह समझना चाहिए कि रेलवे की जमीन पर पटरी बिछी है और उस पर देश की जनता चलती है। इसलिए रेलवे की ज़मीन देश की ज़मीन है। इसी तरह से सेना की जमीन भी देश की जमीन है। लेकिन वक्फ़ की संपत्ति निजी संपत्ति है। उन्होंने कहा कि दुनिया में सबसे ज़्यादा वक्फ़ संपत्ति भारत में है लेकिन हमारा गरीब मुसलमान परेशान क्यों है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के गरीब मुसलमानों के अधिकारों के लिए किये जा रहे काम का विरोध क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चंद वोटों के लिए देश की इतनी वक्फ़ संपत्ति यूं ही नहीं पड़ी रह सकती है। इसे गरीब मुसलमानों के उपयोग में लाना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2004 में जिस वक्फ़ संपत्ति से 163 करोड़

## मोदी जी तुम संघर्ष करो... हम तुम्हारे साथ हैं, वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में उतरीं मुस्लिम महिलाएं

● भोपाल में पीएम मोदी के समर्थन में लगे नारे
● दिल्ली में भी महिलाओं ने किया समर्थन

नई दिल्ली। लोकसभा में आज सरकार ने वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पेश किया है। कोई इस विधेयक के पक्ष में है तो कोई विपक्ष में है। सरकार को सदन में जेडीयू, टीडीपी और जेडीएस जैसे दलों का साथ मिला है। वहीं विपक्षी गठबंधन भी

बिल के विरोध में लामबंद है। कांग्रेस ने विधेयक को संविधान के खिलाफ बताया। सपा का कहना है कि बिल का विरोध किया जाएगा। विपक्ष के विरोध के बीच दिल्ली और मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से अलग तस्वीर सामने आई है। यहां मुस्लिम महिलाएं वक्फ संशोधन विधेयक 2024 के समर्थन में उतरीं। भोपाल में बड़ी संख्या में प्रदर्शन कर रहीं मुस्लिम महिलाओं के हाथों में पीएम मोदी के समर्थन वाली तख्तियां थीं। इनमें पीएम मोदी को धन्यवाद दिया गया है। महिलाओं ने नारे लगाए कि श्मोदी जी तुम संघर्ष करो... हम तुम्हारे साथ हैं। दिल्ली में भी वक्फ विधेयक के समर्थन में मुस्लिम महिलाएं उतरीं। महिलाओं ने तख्तियां पकड़ रखी हैं। इनमें लिखा है कि श्वक्फ संपत्ति की आमदनी उसके हकदार तक पहुंचाने और वक्फ बोर्ड में महिलाओं व पिछड़े मुसलमानों की हिस्सेदारी देने के लिए मोदी जी का शुक्रिया।

## स्टालिन ने परिसीमन विवाद पर ज्ञापन प्रस्तुत करने के लिए मोदी से मुलाकात का अनुरोध किया

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम के स्टालिन ने बुधवार को परिसीमन विवाद पर विभिन्न दलों के सांसदों के साथ ज्ञापन प्रस्तुत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात का अनुरोध किया। श्री स्टालिन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में 22 मार्च को यहां आयोजित पहली संयुक्त कार्रवाई परिषद (जेएसी) की बैठक में अपनाए गए प्रस्तावों के आधार पर 27 मार्च को श्री मोदी को लिखे एक पत्र को टैग करते हुए कहा कि वह इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपना एकजुट रुख बताने के लिए तत्काल उनका समय चाहते हैं। उन्होंने पत्र में कहा, माननीय प्रधानमंत्री थिरु नरेंद्र मोदी मैंने प्रस्तावित परिसीमन से जुड़ी चिंताओं पर अपना ज्ञापन प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न दलों के सांसदों के साथ आपसे मुलाकात का

अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, यह चेन्नई में निष्पक्ष परिसीमन के लिए संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक के प्रस्तावों के बाद है। श्री स्टालिन ने कहा जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है हम अपने लोगों के लिए इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपना एकजुट रुख बताने के लिए आपका समय चाहते हैं। आपकी जल्द से जल्द प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है। मुख्यमंत्री ने पोस्ट के साथ टैग किए गए पत्र में हमारे हालिया विचार–विमर्श से उभरे परिसीमन पर एक ज्ञापन प्रस्तुत करने के लिए विभिन्न राजनीतिक संबद्धताओं के चयनित सांसदों के साथ उनसे मिलने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा 22 मार्च 2025 को चेन्नई ने निष्पक्ष परिसीमन पर उद्घाटन जेएसी बैठक की मेजबानी की – एक ऐतिहासिक सभा जिसमें मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और देश भर से विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख नेता एक साथ आए।

## 'अल्पसंख्यकों को अलग–थलग करने की कोशिश', वक्फ बिल पर बोले गौरव गोगोई

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने वक्फ संशोधन विधेयक पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि क्या अल्पसंख्यक मंत्रालय ने ये बिल बनाया है, या किसी और विभाग ने बनाया है? ये बिल कहाँ से आया? आज देश में अल्पसंख्यकों की हालत ऐसी हो गई है कि आज सरकार को उनके धर्म का सर्टिफिकेट देना पड़ेगा। क्या वो दूसरे धर्मों से सर्टिफिकेट मांगेंगे कि आपने पाँच साल पूरे किए हैं या नहीं? इस बिल में ऐसा क्यों पूछा जा रहा है? सरकार धर्म के इस मामले में क्यों दखल दे रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह अल्पसंख्यकों को अलग–थलग करने

की कोशिश है। गोगोई ने कहा कि आज उनकी (सरकार की) नजर एक समुदाय विशेष की जमीन पर है। कल उनकी नजर समाज के अन्य अल्पसंख्यकों की जमीन पर होगी। उन्होंने कहा कि वे (सरकार) भ्रम फैलाना चाहते हैं कि मौजूदा कानून महिलाओं के खिलाफ है, कि वर्तमान में महिलाओं को कोई भूमिका नहीं मिलती है। विधवाओं की सुरक्षा हो या महिलाओं को अधिक सहायता देना हो, ये सभी प्रावधान कानून में पहले से ही हैं। वे सुधार की बात करते हैं, लेकिन जो राजस्व आना चाहिए था, उसे कम कर दिया, क्यों कम किया? क्या आप नहीं चाहते कि वक्फ बोर्ड बेहतर तरीके से काम करे? उन्होंने राजस्व को 7% से घटाकर 5% क्यों किया? हमारा सुझाव है कि इसे कम करने के बजाय, आपको इस राजस्व को 7% से बढ़ाकर 11% करना चाहिए।

### वक्फ बिल नाकामी पर पर्दा है, अखिलेश यादव बोले–

## जिनके लिए ये बिल है उनकी बात नहीं सुनी जा रही

नई दिल्ली। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर बहस के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि वक्फ बिल नाकामी पर पर्दा है। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर नाकाम। रातोंरात नोटबंदी का फैसला लिया। नोटबंदी की नाकामी पर भी चर्चा जरूरी है। अखिलेश यादव ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और किसान की आय दोगुनी नहीं कर पाए, उस पर भी चर्चा होनी चाहिए। वक्फ बिल मुसलमानों के लिए है। मुसलमानों की बात ही नहीं सुन रहे। अखिलेश यादव ने कहा कि वक्फ बिल के पीछे ना नीति सही, ना नियत सही। भाजपा ध्रुवीकरण का फायदा उठानी चाहती है। भाजपा मुस्लिम भाईचारे को बांटना चाहती है। भाजपा

को अपने वोटबैंक में गिरावट की चिंता है। अखिलेश यादव ने कहा कि चीन के कब्जे वाली जमीन ज्यादा बड़ा मुद्दा है। चीन ने जिस जमीन पर गांव बसाए वो बड़ा मुद्दा है। रेलवे की जमीनों को बेचा जा रहा है। रेलवे हो या डिफेंस सारी जमीनें भारत की हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जब भी कोई नया बिल लाती है, तब अपनी नाकामी छिपाती है। महाकुंभ में कितने हिंदू मारे गए, इस पर पर्दा डालने के लिए भाजपा यह बिल लेकर आई है। महाकुंभ में आस्था सबकी है। कोई पहली बार कुंभ नहीं हो रहा था। भाजपा ने ऐसा प्रचार किया कि 144 साल बाद यह कुंभ हो रहा है। सरकार का दावा था कि हमारी तैयारी सौ करोड़ श्रद्धालुओं की है, महाकुंभ में 30 श्रद्धालु मारे गए, और एक हजार लापता हैं, सरकार जान गंवाने वालों के नाम बताए जाएं।

## कपिल मिश्रा के खिलाफ दिल्ली विधानसभा में आप का प्रदर्शन, उठाई इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया। इसके साथ गी आप ने मांग की कि अब दिल्ली पुलिस कपिल मिश्रा को गिरफ़्तार करे। पूर्व सीएम और नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि भाजपा सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा को पूरे देश ने दंगा भड़काते हुए देखा था। उनका भाषण टीवी कैमरों में क़ैद है। लेकिन भाजपा सरकार ने उन्हें क़ानून मंत्री बनाया है।

कपिल मिश्रा को मंत्री रहने का कोई अधिकार नहीं है। आम आदमी पार्टी का विधायक दल इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएगा। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को दिल्ली पुलिस को 2020 के उत्तर–पूर्वी दिल्ली दंगों में कथित संलिप्तता को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता कपिल मिश्रा के खिलाफ आगे की जांच करने का आदेश दिया। यह मामला यमुना विहार निवासी मोहम्मद इलियास द्वारा अगस्त 2024 में दायर एक याचिका से संबंधित है, जिसमें दयालपुर पुलिस स्टेशन के तत्कालीन स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) मिश्रा और तीन भाजपा नेताओं मुस्तफाबाद विधायक मोहन सिंह बिष्ट और पूर्व विधायक जगदीश प्रधान और सतपाल सांसद सहित पांच अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने फैसला सुनाते हुए कहा कि पहली घटना के संबंध में आगे की जांच शुरू की जाए क्योंकि शिकायतकर्ता ने संज्ञेय अपराध का खुलासा किया है।

## वक़्फ़ विधेयक पर राहुल ने ली पार्टी के लोकसभा सांसदों की बैठक

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वक़्फ़ विधेयक को लेकर बुधवार को लोकसभा में पार्टी के सांसदों की यहां संसद भवन परिसर में बैठक ली और उन्हें संसद में इस विधेयक पर मजबूती से अपना पक्ष रखने की सलाह दी। श्री गांधी की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस सांसदों की यह बैठक करीब 9.30 बजे शुरू हुई जो एक घंटे से ज्यादा समय तक चली। बाद में सभी सांसद लोकसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने के लिए सदन की तरफ चले गए। श्री गांधी ने यह जानकारी देते हुए बताया आज सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले संसद भवन एनेक्सी में कांग्रेस संसदीय दल के सभी लोकसभा सांसदों के साथ बैठक की।

## 'जब तक भाजपा जाएगी, पूरा देश बर्बाद हो चुका होगा': वक्फ विधेयक पर बोलीं महबूबा मुफ्ती

**● मुसलमानों को परेशान करने की कोशिश**
**● कांग्रेस ने देश को बचाए रखा**

नयी दिल्ली, एजेंसी। वक्फ विधेयक को लेकर संसद में चर्चा के बीच जम्मू–कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वक्फ बिल मुसलमानों को परेशान करने के लिए है। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल मुसलमानों को कमजोर करने की चाल है। उन्होंने कहा कि पिछले 10–11 सालों से बीजेपी मुसलमानों के खिलाफ काम कर रही है। यह उसी का हिस्सा है। पहले उन्हें मारा गया, मस्जिदों को नुकसान

पहुंचाया गया और दुकानें बंद कर दी गईं। वक्फ बिल लाकर वे हमारी संपत्ति जब्त करना चाहते हैं। मुसलमान क्या करेंगे? महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वे पिछले 10–11 सालों से इसे बर्दाश्त कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे हिंदू भाइयों को यह समझना चाहिए कि भारत अपनी सद्भावना और गंगा–जमुनी तहजीब के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि आज ये सब कचरे में फेंका जा रहा है। आज हमारा देश, जो एक आदर्श राष्ट्र हुआ करता था, म्यांमार की राह पर चल रहा है, जहाँ अल्पसंख्यकों और मुसलमानों को बाहर निकाल दिया जाता है। वे भूल जाते हैं कि कल वे सत्ता में नहीं होंगे। कांग्रेस ने देश को बचाए रखा। जब तक वे (बीजेपी) जाएंगे, तब तक देश बर्बाद हो चुका होगा। जिस तरह जिया–उल–हक ने देश को निराशा में धकेला, बीजेपी भी ठीक वैसा ही कर रही है। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय प्रवक्ता वारिस पठान ने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है। यह अनुच्छेद 14, 25 और 26 का पूरी तरह उल्लंघन है। यह विधेयक असंवैधानिक है।

उन्होंने कहा कि लोकसभा में भाजपा के पास बहुमत नहीं है। अगर वे विधेयक पारित करना चाहते हैं, तो उन्हें चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान और जयंत चौधरी के समर्थन की आवश्यकता होगी, और अगर ये लोग विधेयक का समर्थन करते हैं, तो भारत के मुसलमान उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे।

# इंजीनियर का कत्ल: 'मिस्टर सनकी...', रील बनाने और महंगी बाइकों का शौकीन

प्रयागराज। प्रयागराज में वायुसेना परिसर में घुसकर कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या का आरोपी सौरभ कुमार उर्फ बाबू पासी को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। हत्यारोपी ने महीने भर पहले ही 1.5 लाख का आईफोन खरीदा था। आरोपी को रील बनाने और महंगी बाइकों का शौक है।

वायुसेना परिसर में घुसकर कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या का आरोपी सौरभ कुमार उर्फ बाबू पासी दुस्साहसी होने के साथ ही महंगे शौक भी रखता था। महीने भर पहले ही उसने 1.5 लाख का आईफोन खरीदा था। रील बनाने और महंगी बाइकों का शौकीन होने के साथ ही उसे खुद को सनकी कहा जाना भी बहुत भाता था। उसने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के बायो में भी खुद को 'मिस्टर सनकी' लिख रखा था।

बम्हरौली के लाला बिहारा स्थित उसकी बस्ती में रहने वाले कुछ लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर यह बातें बताईं। बताया कि वह अक्सर कहता था कि उसे जिस चीज की सनक चढ़ जाए, वह उसे करके रहता है। उसने इंस्टाग्राम पर अपने अकाउंट के बायो में भी यही लिख रखा था।

**सफाईकर्मी मां–बाप की कमाई से चलता था घर**

इसके अलावा वह महंगी बाइक और मोबाइल फोन का शौकीन था। घर सफाईकर्मी मां–बाप की कमाई से चलता था, लेकिन वह कोई काम नहीं करता था। कुछ दिनों तक उसने वायुसेना कैंपस में ही मजदूर का काम किया, लेकिन उसके महंगे शौक की वजह से ज्यादा दिन उसका काम में मन नहीं लगा।

**वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया पोस्ट**

सौरभ के मोहल्ले में रहने वाले शख्स ने बताया कि 12 फरवरी को उसने 1.5 लाख का आईफोन 16 प्रो मैक्स खरीदा था। आईफोन खरीदने के दौरान उसने वीडियो भी बनाया और इसे अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर भी किया। आईफोन खरीदने का मकसद रील बनाना और दोस्तों व जानने वालों के बीच भौकाल जमाना था। इसी फोन से वह रील बनाकर सोशल मीडिया अकाउंट

पर पोस्ट करता था। इसके अलावा उसने एक महंगी बाइक भी खरीदी थी।

**चोरी करने पहुंचे युवक ने की थी कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या**

भारतीय वायुसेना के बमरौली स्थित मध्य वायु कमान मुख्यालय परिसर में कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्र (51) की हत्या के मामले का सोमवार को खुलासा हो गया। पुलिस का दावा है कि चोरी की नीयत से पहुंचे बदमाश ने वारदात अंजाम दी। वारदात की साजिश में वायुसेना कैंपस में अफसरों के घरों में काम करने वाले उसके माता–पिता भी शामिल थे। तीनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अपर पुलिस आयुक्त अपराध डॉ. अजयपाल शर्मा ने बताया कि आरोपी सौरभ कुमार उर्फ बाबू पासी वायुसेना परिसर से लगभग 1.5 किमी दूरी पर स्थित लाल बिहारा गांव की बस्ती में रहता है। उसकी मां सुनीता और पिता शिवकुमार वायुसेना परिसर में संविदा कर्मचारी हैं। पिता सफाईकर्मी है, जबकि मां घरों में काम करती है।

**नाकाम रहने पर गोली मारकर की हत्या**

सौरभ ने पूछताछ में बताया कि उसकी मां पहले एक–दो

## कातिल सौरभ को लेकर चौंकाने वाला खुलासा

बार कमांडर वर्क इंजीनियर के घर जा चुकी थी। एक साल पहले तक वह भी वायुसेना परिसर में ठेके पर मजदूरी करता था। एक बार लकड़ी का मंदिर पहुंचाने वह भी अफसर के घर जा चुका था। यह भी बताया कि उसका बड़ा भाई हनी उर्फ गौतम 25 जनवरी को कौशाम्बी में हुई हत्या के मामले में वहां की जेल में बंद है। उसे छुड़ाने के लिए परिवार को रुपयों की जरूरत थी। अफसर का घर वायुसेना परिसर की बाहरी दीवार से 10–15 मीटर की दूरी पर है। उसे लगा कि वहां उसे 10 लाख तक नकदी मिल जाएगी। उसने घर में चोरी की साजिश रची। इसमें अपने मां–बाप को भी शामिल कर लिया। उसने साजिश के मुताबिक 29 मार्च की भोर में अफसर के घर पहुंचकर भीतर घुसने का प्रयास किया। नाकाम रहने पर गोली मारकर उनकी हत्या कर दी और वहां से भाग निकला।

**देशी पिस्टल से मारी गोली, बैग में तमंचा भी लिए था**

डीसीपी अभिषेक भारती के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने अफसर को देशी पिस्टल से गोली मारी थी। वारदात के वक्त उसके बैग में एक तमंचा भी था। यह असलहे उसने पूरामुफ्ती के ही एक स्थानीय तस्कर से खरीदे थे। डीसीपी ने बताया कि तस्कर को भी हिरासत में ले लिया गया है। साथ ही दोनों असलहे व चार कारतूस भी बरामद हो गए हैं। इसके अतिरिक्त एक पोर्टेबल गैस कटर भी बरामद किया गया है, जिससे अफसर के घर के दरवाजे में सुराख किया गया था।

**सीसीटीवी फुटेज से हुआ ट्रेस**

पुलिस के मुताबिक, आरोपी की तस्वीर अफसर के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। उसने चेहरे पर कपड़ा बांध रखा था। फुटेज के सहारे ही छानबीन शुरू की गई। आसपास फुटेज दिखाकर पड़ताल की गई तो हुलिये के आधार पर आरोपी का नाम सामने आया।

**13 मार्च की रात भी पहुंचा था चोरी करने**

आरोपी ने पुलिस को पूछताछ में यह भी बताया कि 13 मार्च की रात को भी उसने अफसर के घर चोरी का प्रयास किया था। उस रात वह एक साथी के साथ वहां पहुंचा था। दरवाजा काटने का प्रयास किया था, लेकिन अफसर के शोर मचाने पर औजार छोड़कर भाग निकला। अपर पुलिस आयुक्त ने बताया कि 13 मार्च की रात उसके साथ गए युवक को भी चिह्नित कर हिरासत में ले लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है।

## यूपी बोर्ड की कॉपियों का पूरा हो जाएगा मूल्यांकन, अब परिणाम घोषित करने की तैयारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी) बोर्ड की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन लगभग पूरा हो गया है। यूपी बोर्ड का अब पूरा ध्यान जल्द से जल्द रिजल्ट घोषित करने पर है। इस सप्ताह या अगले सप्ताह हाईस्कूल और इंटरमीडिएट का परिणाम घोषित किया गया जा सकता है। यूपी बोर्ड ने वर्ष 2025 की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की कॉपियों के मूल्यांकन के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह दो अप्रैल को पूरा हो जाएगा। बुधवार को शत–प्रतिशत कॉपियों का मूल्यांकन कार्य पूरा कर

लिया जाएगा। बोर्ड की परीक्षाओं की कॉपियों का मूल्यांकन 19 मार्च से शुरू किया गया था और दो अप्रैल तक मूल्यांकन कार्य पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। तकरीबन तीन करोड़ कॉपियों के मूल्यांकन के लिए प्रदेश भर में 261 केंद्र बनाए गए थे। इनमें से 236 केंद्रों पर मूल्यांकन कार्य 31 मार्च को ही समाप्त कर लिया गया था। बाकी के 25 केंद्रों पर मंगलवार को 49,194 उत्तर पुस्तिकाओं को मूल्यांकन किया गया, जिनमें से 24 केंद्रों में मूल्यांकन कार्य समाप्त हो गया। ऐसे में अब तक कुल 257 केंद्रों में मूल्यांकन कार्य पूरा कर लिया गया है। अब चार मूल्यांकन केंद्रों में महज पांच हजार कॉपियां शेष रह गईं हैं और इनका मूल्यांकन दो अप्रैल को पूरा कर लिया जाएगा। बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि कॉपियों का मूल्यांकन बुधवार को पूरा हो जाएगा। वहीं, कंप्यूटर फर्मों में भी ओएमआर शीट का मूल्यांकन जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा। सात व आठ अप्रैल को छूटे हुए छात्र–छात्राओं की प्रयोगात्मक परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इसके बाद रिजल्ट बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी, जिसमें 15 दिनों का वक्त लगेगा। परिणाम अप्रैल के अंत या मई की शुरुआत में जारी करने की तैयारी है।

## कमांडर वर्क इंजीनियर जान को खतरा बताया था, सेंट्रल एयर कमांड के सीओ को भेजा था शिकायती पत्र

प्रयागराज। बमरौली एयरफोर्स कैंपस में कमांडर वर्क इंजीनियर एसएन मिश्र की हत्या में एक बड़ा खुलासा हुआ है। मिश्र को अपनी जान का खतरा महसूस होने पर उन्होंने उच्चाधिकारियों को पत्र देकर हत्या की आशंका जाहिर की। समय रहते अधिकारियों के सतर्क होने पर उनकी जान बच सकती थी।

कमांडर वर्क इंजीनियर (सीडब्ल्यूई) सत्येंद्र नारायण मिश्र की सुरक्षा के मामले में एक बड़ी बात सामने आई है। 13 मार्च की रात हुई घटना की लिखित शिकायत करने व जान का खतरा बताने के बावजूद मामले में एफआईआर नहीं दर्ज कराई गई। इसका खुलासा उस शिकायती पत्र से हुआ है, जो उन्होंने सेंट्रल एयर कमांड बमरौली के सीओ को भेजा था। यह शिकायती पत्र उन्होंने 15 मार्च को भेजा था। इसमें बताया था कि 13 मार्च की रात उनके आवास में सेंध लगाने का प्रयास किया गया। दो बदमाशों ने दरवाजे के बाहर लगे जाली के दरवाजे को कटर से काटने का प्रयास किया। आवाज सुनकर जागने पर उन्होंने ललकारा तो बदमाश भाग गए।

उन्होंने इसकी सूचना नॉर्थ कैंप के गार्ड रूम को दी तो एयरफोर्स पुलिस पहुंची। 14 मार्च की सुबह एक बदमाश के एक पैर का जूता परिसर की बाउंड्री के पास नाले में मिला, जिसे जांच टीम ने कब्जे में ले लिया। इसके अलावा एक चाकू, पाइप रॉड और ग्रिल कटर भी बरामद हुआ। इसके साथ ही दीवार पर पेड़ के पास लगे कंटीले तार भी काटे गए थे। उन्होंने पत्र में लिखा था कि इस घटना से उनकी जान व संपत्ति को खतरा है।

अफसर के परिजनों का कहना है कि शिकायत पर सुरक्षा बढ़ाई गई, हालांकि घटना वाली रात रात सुरक्षा नहीं थी। दरअसल इस घटना के कुछ दिन पहले ही परिजन बाहर से लौटे थे। परिजनों को आशंका है कि यात्रा पर जाने के दौरान ही सुरक्षा हटा ली गई।

**महज संयोग या साजिश: दोनों घटनाओं में रात 2.30 बजे ही पहुंचा हत्यारोपी**

मामले में एक चौंकाने वाली बात यह है कि 28 व 13 मार्च की रात सत्येंद्र नारायण के घर चोरों के पहुंचने का समय लगभग एक है। पुलिस अफसरों ने बताया कि हत्या वाली रात आरोपी सत्येंद्र नारायण के घर पर रात 2रू40 बजे करीब पहुंचा। उधर, कमांडर वर्क इंजीनियर ने पूर्व में हुई घटना के संबंध में भेजे गए शिकायती पत्र में बताया कि चोर 13 मार्च की रात भी करीब 2रू30 बजे उनके घर पर पहुंचे। अब सवाल यह उठ रहा है कि यह महज संयोग है या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश है।

**परिजन बोले– कई सवालों के जवाब मिलने बाकी, कोर्ट की निगरानी में हो जांच**

अफसर के परिजनों ने मांग उठाई है कि इस हत्याकांड की कोर्ट की निगरानी में जांच कराई जानी चाहिए। उनका आरोप है कि पुलिस के खुलासे के बावजूद कई सवालों के जवाब मिलने बाकी हैं। उनका कहना है कि खुलासे के मुताबिक, आरोपी परिसर व घर से बखूबी परिचित था। ऐसे में वह तब क्यों नहीं आया, जब परिवार बाहर था और घरवाले यात्रा पर गए थे और एक दिन पहले ही वापस लौटे। घरवालों का आरोप यह भी है कि हत्या में जिस असलहे का प्रयोग किया गया, उसमें साइलेंसर लगा था, हालांकि पुलिस ने ऐसी कोई जानकारी नहीं दी है।

**सवाल यह भी**

उसने ऐसे घर को क्यों चुना, जहां हाल ही में एक घटना हुई थी और परिवार ने सुरक्षा की मांग की थी?

हाई सिक्योरिटी जाने वाले क्षेत्र में चोरी क्यों?

मकसद चोरी था तो घर के मालिक को जगाने के लिए दरवाजे (सामने और पीछे) पर दस्तक क्यों?

अफसर के जागने पर भागने की जगह गोली क्यों चलाई?

## मुर्गी के पंख और पराली से बनेगी सीएनजी, जलेंगे चूल्हे

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी में प्रदेश का पहला सीएनजी प्लांट शुरू होने जा रहा है, जिसमें मुर्गी के पंख और पराली का उपयोग होगा। प्लांट से प्रतिदिन 21 टन सीएनजी बनेगी। नैनी में सीएनजी बनाने वाला प्रदेश का पहला प्लांट जल्द शुरू होने जा रहा है। खास बात यह है कि नैनी में निर्माणाधीन प्लांट में सीएनजी बनाने के लिए मुर्गी के पंख और पराली का भी उपयोग होगा। इसी सीएनजी से नैनी के घरों का भोजन बनेगा। ट्रिपल पी मॉडल पर निर्माणाधीन प्लांट के लिए नगर निगम ने अरैल में जमीन दी है। अदाणी गैस लिमिटेड घरों की रसोई तक सीएनजी पहुंचाएगा। प्लांट में सीएनजी बनाने के लिए गीले कूड़े में मुर्गी के पंख और पराली के साथ गोबर का उपयोग होगा। प्लांट का निर्माण और संचालन करने वाली एजेंसी को प्रतिदिन 200 टन गोबर नगर निगम देगा। मुर्गी के पंख और पराली की व्यवस्था एजेंसी करेगी।

## श्री हनुमत जयंती महोत्सव का चौथा दिन

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ स्थित हनुमद्धाम में श्री राम आध्यात्मिक प्रन्यास के तत्वावधान में चल रही श्री हनुमत जयंती महोत्सव के चौथे दिन आचार्य राजीव मिश्र ने कहा कि शत चंडी यज्ञ करने से सभी बिगड़े काम बन जाते है तथा बिगड़े हुए ग्रहों की स्थिति को भी सही किया जा सकता है। सौभाग्य आपका साथ देने लगता है, मनुष्य खुद को एक आनंदित वातावरण में महसूस करता है। देवताओं को भोजन यज्ञ से प्राप्त होता है। शत चंडी यज्ञ में भाग लेकर हम अपनी आत्मा को जहां शुद्ध कर रहे हैं वहीं

हमें मां भगवती का आशीर्वाद मिलता है। प्रधान आचार्य दिवाकर वशिष्ठ के सानिध्य में देवेंद्र, मोहित, किशन पांडेय, आचार्य चंद्रप्रकाश, आचार्य गोविंद, धर्मेंद्र आचार्य, आचार्य केशव, आचार्य नवनीत, आचार्य आशीष, आचार्य शिवम व शांतनु, दिवांशु कौशिक ने पूजन कराया। महामण्डलेश्वर स्वामी केशवानन्द सरस्वती महाराज ने बताया कि गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी 11 अप्रैल सुबह नौ बजे दिव्य विराट संत सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें राजस्थान, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, यूपी आदि प्रांतों से अनेक महामंडलेश्वर अमृत ज्ञान की वर्षो करेंगे। कार्यक्रम में यूपी विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना भी भाग लेंगे। इस दौरान शिव कल्याण आश्रम में स्वामी गीतानंद महाराज, स्वामी महेशानंद गिरी महाराज, स्वामी आनन्द स्वरूपानन्द सरस्वती व स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती आदि मौजूद रहे।

## आरओ/एआरओ परीक्षा में सीबीएसई व आईसीएसई स्कूल भी बनेंगे केंद्र, 27 जुलाई को प्रस्तावित है परीक्षा

प्रयागराज। यूपी लोक सेवा आयोग की 27 जुलाई को होने वाली आरओ–एआरओ परीक्षा के लिए आयोग ने कमर कस ली है। 10 लाख से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा के लिए पंजीकृत हैं। एक साथ इतने छात्रों की परीक्षा कराना बड़ी चुनौती है। इसके लिए आयोग ने सरकारी, वित्तपोषित कॉलेजों के साथ ही सीबीएसई और (यूपीपीएससी) के प्रस्ताव पर शासन स्तर से केंद्र निर्धारण नीति में संशोधन किया जा रहा है। जून–2024 में जारी गाइडलाइन में केंद्र निर्धारण नीति को काफी सख्त कर दिया गया था और यह प्रावधान किया गया था कि पांच लाख या इससे अधिक अभ्यर्थी होने की स्थिति में परीक्षा एक से अधिक दिनों में कई पालियों

आईसीएसई विद्यालयों को भी परीक्षा केंद्र बनाने का फैसला किया है।

समीक्षा अधिकारी (आरओ)ध सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 के लिए सीबीएसई व आईसीएसई के प्रतिष्ठित स्कूलों को भी परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में कराई जाएगी।

आयोग ने इसके तहत पीसीएस व आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा दो दिन में कराने का निर्णय लिया, तो इसका व्यापक विरोध हुआ। ऐसे में शासन ने पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के लिए केंद्र निर्धारण नीति को शिथिल कर दिया। इसके बाद पीसीएस प्री–2024 के लिए पंजीकृत 5,76,154 अभ्यर्थियों के लिए एक दिन में परीक्षा कराने के लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों में 1331 केंद्रों की व्यवस्था कर ली गई थी।

पीसीएस परीक्षा में पहली बार विश्वविद्यालयों व राजकीय महाविद्यालयों को भी केंद्र बनाया गया था, लेकिन किसी भी निजी विद्यालय को केंद्र नहीं बनाया गया। आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा–2023 के लिए 10,76,004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं, जिनकी संख्या पीसीएस अभ्यर्थियों के मुकाबले काफी अधिक है। आयोग पर यह परीक्षा भी एक दिन में कराने का दबाव था।

आयोग के सूत्रों का कहना है कि परीक्षा पर निर्णय लेने के लिए गठित समिति ने सिफारिश की थी कि अगर सीबीएसई व आईसीएसई के निजी प्रतिष्ठित स्कूलों को भी परीक्षा केंद्र बना दिया जाए तो आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा एक दिन में कराई जा सकती है। आयोग ने यह प्रस्ताव शासन को भेजा और इसी आधार पर अब केंद्र निर्धारण नीति में संशोधन किया जा रहा है। यही वजह है कि आयोग ने आरओध्एआरओ के 411 पदों पर भर्ती के लिए प्रारंभिक परीक्षा एक दिन में कराने का निर्णय लिया है। परीक्षा 27 जुलाई 2025 को प्रस्तावित है। अब इस परीक्षा के लिए सरकारी व एडेड विद्यालयों के साथ विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और सीबीएसई व आईसीएसई के प्रतिष्ठित स्कूलों को भी केंद्र बनाया जाएगा।

**पुनर्परीक्षा का सफल आयोजन बड़ी चुनौती**

11 फरवरी 2024 को हुई आरओध्एआरओ प्रारंभिक परीक्षा–2023 पेपर लीक होने के कारण निरस्त कर दी गई थी, जो अब 27 जुलाई को पुनरू कराई जाएगी। 11 फरवरी को यह परीक्षा प्रदेश में 58 जिलों के 2,387 केंद्रों में आयोजित की गई थी। इस बार सभी 75 जिलों में केंद्र बनाए जाएंगे, ऐसे में आयोग को प्रश्नपत्रों की सुरक्षा व परीक्षा पर निगरानी का दायरा बढ़ाना होगा, सो पुनर्परीक्षा का सफल आयोजन यूपीपीएससी के लिए बड़ी चुनौती होगा।

## मुठभेड़ के बाद 50 हजार का इनामी वाहन चोर गिरफ्तार

### –दोनों पैर में लगी गोल, 13 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

मथुरा। थाना बरसाना पुलिस ने 50 हजार रुपये के ईनामी अंतर्राज्यीय वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद इसे गिरफ्तार किया। अभियुक्तों के कब्जे से 13 चोरी की मोटरसाइकिल, तमंचा कारतूस बरामद किये गये। शातिर अन्तर्राज्जीय वाहन चोर साहब सिंह पुत्र दौलत निवासी खोटपुरी थाना कामा राजस्थान को चौकिंग के दौरान गोवर्धन नाला पर चोरी की एक मोटरसाइकिल व एक चाकू तथा मास्टर चाबी के साथ गिरफ्तार किया गया। साहव सिंह की निशादेही पर हरिओम

पुत्र जगदीश निवासी ग्राम राकौली थाना बरसाना मथुरा को कमई रोड वन्द ईट भट्टा से पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। दोनों अभियुक्त के द्वारा मिलकर चोरी की गयी कुल 13 मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस मुठभेड़ में हरओम की दोनों टागों मे गोली लगी है जिनका सीएचसी बरसाना मे उपचार चल रहा है। हरिओम के विरूद्ध मथुरा जनपद के विभिन्न थानों में डेढ दर्जन के कारीब आपराधिक मामले दर्ज हैं। कार्यवाही करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार निर्वाल थाना बरसाना, एसआई प्रवीन तेवतिया, एसआई राहुल सिंह, एसआई मंयक, एसआई आकाश चौधरी, एसआई कुंजन चौधरी आदि थे।

## सर्वेश्वरी कलयुग की अधिष्ठात्री देवी है -आचार्य प्रवीण देव

मुजफ्फरनगर। नवरात्रि के पावन अवसर पर सेकंडों लोग नारियल चुन्नी लेकर अरदास लगाने के लिए सर्वेश्वरी धाम पहुंच रहे हैं, सर्वेश्वरी धाम के संचालक आचार्य प्रवीण देव ने बताया कि मां सर्वेश्वरी कलयुग की अधिष्ठात्री देवी है जिसका वर्णन दुर्गा सप्तशती में भी मिलता है उन्होंने कहा कि सब पर कृपा करतीं हैं, तपोनिष्ट प्रवीण देव आचार्य ने कहा मैं मां सर्वेश्वरी की कृपा से ही भक्तों की समस्याओं को हल करने में लगा हूं, गेटिस वर्षों से यह पर क्या निरंतर है और पिछले कुछ सालों से पंजाबी व हरियाणा से बहुत भक्त पहुंच रहे हैं,सर्वेश्वरी धाम पहुंचे महामृत्युंजय सेवा मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव शंकर ने कहा कि मां की

शरण में आएं हुए बालक का सदैव हित ही होता है, कष्ट उसे नहीं सताते हैं, बिजली की गति से भी तेज भगवती भक्त पर कृपा करती है। सर्वेश्वरी धाम के मुख्य सेवक श्री ऋषभदेव ने बताया कि पूजा पाठ का कार्य चौदस तक चलेगा और चौत्र पूर्णिमा हनुमान जयंती के अवसर पर पूर्ण आहुति यज्ञ एवं भंडारा होगा।इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ0 ऋषभ गुप्ता, विनोद शर्मा, सुनील यादव, प्रवीण गर्ग, मनोज अग्रवाल, पुनीत बंसल, गौरव सिंघल,रोहित त्यागी, रचित पाल, जतिन नागपाल, यश जिंदल, संगीता गुप्ता, नेहा त्यागी, संजय जैन, विपुल गुप्ता संगीता गुप्ता, सुधा रानी इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

## स्वामी कल्याणदेव एसडी इंटर कालेज में मेधावी किए गए पुरस्कृत

मोरना। तीर्थ नगरी शुकतीर्थ स्थित स्वामी कल्याणदेव एसडी इंटर कालेज के मेधावी छात्र–छात्राओं को ट्राफी व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। शुभारम्भ मुख्य अतिथि कपिल गर्ग, प्रधान संजय चौहान व प्रधानाचार्य संजीव कुमार ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया तत्पश्चात छात्रा हिमानी, हिमांशी, सोनिया, स्वाति, वंदना ने सरस्वती वंदना व स्वागत गान प्रस्तुत किया। इसके बाद छात्रा अपेक्षा, नूतन, खुशी, वीता, सलोनी, सोनिया, नेहा, सपना,

कविता ने राजस्थानी व हरियाणवी देश भक्ति गीतों पर मनोहारी प्रस्तुति देकर धमाल मचाया। समापन पर कक्षा 11 में गोरी, भवी रानी, सोनिया वर्मा, कक्षा नौ में दीपांशु, प्रीति, प्रतिज्ञा, कक्षा आठ में किरण प्रीत कौर, अक्षित चौहान, शिवन्या, कक्षा सात में राधा, युक्ति, वंशिका कक्षा छह में अविका, अवनीत, सागर के क्रमश प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने पर ट्राफी व प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में ओमपाल सिंह, प्रवक्ता रामनिवास, रोहित पंवार, योगेंद्र चौहान, महेश कुमार, रेखा देवी आदि का विशेष सहयोग रहा।


### महत्वपूर्ण सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:

(1) गाड़ी सं. 02817/02818 रॉंची-नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी

| गाड़ी सं. 02817 रॉंची-नई दिल्ली | | | गाड़ी सं. 02818 नई दिल्ली-रॉंची | |
|---|---|---|---|---|
| आगमन | प्रस्थान | स्टेशन | आगमन | प्रस्थान |
| -- | 14:00 | रॉंची | 15:50 | -- |
| 03:50 | 03:55 | प्रयागराज | 02:20 | 02:25 |
| 07:15 | 07:20 | गोविंदपुरी | 23:15 | 23:20 |
| 14:00 | -- | नई दिल्ली | -- | 15:50 |

रॉंची से- गाड़ी सं. 02817, बुधवार, दिनांक- 02.04.2025
नई दिल्ली से- गाड़ी सं. 02818, गुरुवार, दिनांक- 03.04.2025
गाड़ी संरचनाः स्लीपर श्रेणी-14, सामान्य श्रेणी-04

(2) गाड़ी सं. 02819/02820 रॉंची-नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी

| गाड़ी सं. 02819 रॉंची-नई दिल्ली | | | गाड़ी सं. 02820 नई दिल्ली-रॉंची | |
|---|---|---|---|---|
| आगमन | प्रस्थान | स्टेशन | आगमन | प्रस्थान |
| -- | 14:00 | रॉंची | 20:15 | -- |
| 08:00 | 08:05 | प्रयागराज | 04:10 | 04:15 |
| 10:40 | 10:45 | गोविंदपुरी | 01:05 | 01:10 |
| 18:00 | -- | नई दिल्ली | -- | 19:30 |

रॉंची से- गाड़ी सं. 02819, शुक्रवार, दिनांक- 04.04.2025
नई दिल्ली से- गाड़ी सं. 02820, शनिवार, दिनांक- 05.04.2025
गाड़ी संरचनाः स्लीपर श्रेणी-14, सामान्य श्रेणी-04

राजेन्द्रनगर (ट.)-नई दिल्ली विशेष रेलगाड़ी के संचालन अवधि में विस्तार

| गाड़ी सं. | कहाँ से | कहाँ तक | विस्तारित तिथि से | विस्तारित तिथि तक |
|---|---|---|---|---|
| 02393 | राजेन्द्रनगर (ट.) | नई दिल्ली | 01.04.2025 | 30.04.2025 |
| 02394 | नई दिल्ली | राजेन्द्रनगर (ट.) | 02.04.2025 | 01.05.2025 |

संरचनाः गाड़ी सं. 02393- सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-06, वाता. तृतीय श्रेणी-05, गाड़ी सं. 02394- वाता. तृतीय इकोनॉमी-02, वाता. द्वितीय श्रेणी-02, वाता. प्रथम सह द्वितीय श्रेणी-01

नोटः- उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व अधिसूचित सूचना के क्रम में पुणे-दानापुर ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी का नम्बर 01105/01106 के स्थान पर 01419/01420 कर दिया गया है।

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 591/25 FA


# मंत्री कपिल देव की मांग पर 18 करोड़ की लागत के नालों को मिली स्वीकृति

## प्रथम किश्त के रूप में 4 करोड़ की धनराशि अवमुक्त

### विरासत के साथ-साथ भरपूर विकास कार्य कर रही भाजपा सरकार - मंत्री कपिल देव

मुजफ्फरनगर। विधानसभा क्षेत्र मुजफ्फरनगर सदर व नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर की सीमांतर्गत जल निकासी हेतु नालों का निर्माण कराये जाने का कार्य लंबे समय से अटका हुआ था। 18 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इन नालों के निर्माण पर स्वीकृति की मुहर लग गई है और इसके सापेक्ष प्रथम किश्त अवमुक्त हो गई है।

जानकारी देते हुए नगर विधायक और प्रदेश सरकार में स्वतंत्र प्रभार मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि बीते नगरीय क्षेत्र की जलभराव की समस्या के समाधान हेतु उन्होंने नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा से भेंट कर इस कार्य की मांग की थी। नगर विकास मंत्री से मिले आश्वासन के बाद अब इस कार्य को प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है। उन्होंने बताया कि लद्दावाला से गणेश चौक व रामलीला टिल्ला रोड से होते हुए काली नदी तक

मुख्य नाला निर्माण, आबकारी पुलिस चौकी से मोहल्ला आबकारी होते हुए मुख्य नाले तक नाला निर्माण और नावल्टी चौक चुंगी नंबर 2 से रामलीला टीला रोड से मुख्य नाले तक नाला निर्माण का कार्य प्रस्तावित था।

मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि इस कार्य में कुल 18 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसकी स्वीकृति मिल गई है और पहली किश्त के रूप में 4 करोड़ रुपये भी आए हैं। इन नालों का निर्माण कार्य उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) द्वारा कराया जाएगा। कागजी कार्यवाही पूरी कर ली गई है, अब धरातल पर निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

मंत्री कपिल देव ने कहा कि यह क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ी सौगात है। इससे अब क्षेत्र में जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार विरासत के साथ–साथ विकास कार्य कर रही है और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की वचनबद्धता से जनसेवा में जुटी है। उन्होंने क्षेत्रवासियों की ओर से मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ और नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार शर्मा का आभार जताया है।

# बिहार के राज्यपाल पहुंचे लोहवन, कार्यक्रम में हुए शामिल

## -दो विद्यालयों के नवीनीकृत निर्माण कार्यों का किया उद्घाटन

मथुरा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहवन के नवीनीकृत निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। बिहार के राज्यपाल ने उद्घाटन समारोह में भाग लिया, जिसमें विधायक पूरन प्रकाश, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय, निशा उप जिलाधिकारी सदर, आदेश कुमार उप जिलाधिकारी महावन, सुनील दत्त बेसिक शिक्षा अधिकारी और दिनेश कुमार त्रिपाठी खंड शिक्षा अधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे। इससे पहले बिहार के राज्यपाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया गया। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज की प्रगति सुनिश्चित हुई है। शिक्षा न केवल व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, बल्कि हमारे संयंत्रों के आस पास के समुदायों के

समग्र विकास को भी उत्प्रेरित करती है। शिक्षा सबसे शक्तिशाली मार्ग है जिसके माध्यम से हम एक मजबूत, अधिक विकसित भारत के निर्माण में योगदान करते हैं। इन स्कूलों के नवीनीकरण में बुनियादी ढांचे में सुधार जैसे नवीनीकरण, पुनर्निर्माण, छात्र छात्राओं के लिए अलग अलग शौचालयों के साथ बेहतर स्वच्छता सुविधाएं, पीने के पानी के स्टेशन, आवश्यक कक्षा फर्नीचर आदि प्रदान किया गया है।

# 66 ई रिक्शा, 6 ऑटो के खिलाफ की गई कार्यवाही

## -39 ई रिक्शा के चालान तथा 27 सीज किये गये

मथुरा। बिना वैध पंजीकरण के सडक पर दौड रहे ई रिक्शा को नष्ट कराया जाएगा। मंगलवार को 66 ई रिक्शा व छह ऑटो के खिलाफ कार्यवाही की गई। शासन के निर्देशों के क्रम में परिवहन आयुक्त द्वारा माह अप्रैल 2025 में अवैध रूप से संचालित ई रिक्शा वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये हैं। निर्देश के अनुपालन में एक अप्रैल को अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात) मनोज कुमार यादव के नेतृत्व में राजेश राजपूत सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन प्रथम) मथुरा, मनोज प्रसाद वर्मा सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन–द्वितीय) मथुरा, अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी (यातायात) मथुरा, संदीप चौधरी यात्रीकर अधिकार मथुरा, शौर्य

कुमार, (यातायात निरीक्षक) मथुरा तथा अन्य यातायात निरीक्षकों के साथ संयुक्त टीम द्वारा वृन्दावन मथुरा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित ई रिक्शा एवं अन्य वाहनों के विरूद्ध विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। 39 ई रिक्शा के चालान तथा 27 निरूद्ध किये गये। इसके अतिरिक्त छह ऑटो बिना वैध प्रपत्रों के अभियोग में चालान, बंद की कार्यवाही की गयी। इस चौकिंग अभियान के दौरान वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों एवं यातायात नियमों का पालन किये जाने हेतु जागरूक किया गया। राजेश राजपूत सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन–प्रथम) मथुरा द्वारा निर्देशित किया गया कि सभी ई रिक्शा चालकों को अपने वाहनों के प्रपत्रों को पूर्ण करा कर ही संचालित करे एवं अपंजीकृत ई रिक्शाओं को डिस्मेंटल नष्ट किया जायेगा एवं उनके खिलाफ विधिक कार्यवाही भी की जायेगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी वाहन स्वामी की होगी। यह अभियान पूरे माह नियमित रूप से संचालित रहेगा।

# इस महीने संचारी रोगों से निपटेगा स्वास्थ्य विभाग

मथुरा।संचारी रोगों की रोकथाम के लिए व्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिये गये हैं। जनपद मुख्यालय पर मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय परिसर से जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी के द्वारा एक रैली को हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस रैली में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों आशा कार्यकत्री, एएनएम के साथ साथ बाल विकास सेवा विभाग की आंगनवाडी कार्यकत्रियों, नगर निगम मथुरा वृन्दावन के कर्मचारियों द्वारा बडे पैमाने पर बढ चढ कर भाग लिया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी के साथ साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी, प्रभारी जिला पंचायतीराज अधिकारी श्री अरुण कुमार उपाध्याय, जिला कार्यक्रम अधिकारीय आईसीडीएस श्रीमती बुद्धी मिश्रा, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोपाल गर्ग, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आलोक कुमार, डॉ अनुज चौधरी, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ रोहिताश तेवतिया एनोडल एनयूएचएम डॉ पीयूष सोनी, जिला मलेरिया अधिकारी आरके सिंह, नगरीय मलेरिया अधिकारी डॉ.भूदेव सिंह, चिकित्सा

अधिकारी डॉ रोहिताश मीना एवं शहरी क्षेत्र के चिकित्सा अधिकारीगण एवं वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक संतोष तिवारी, मलेरिया निरीक्षक राहुल सिंह सिसौदिया,अनिल कुमार वर्मा, नितिन रस्तोगी, आश्रिता सिंह एवं मलेरिया कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। रैली ने समापन के वाद एक सभा का रूप ले लिया जिसमें मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा संचारी रोगों से वचाव एवं हीट रिलेटिड ईलनेस से बचाव हेतु विस्त्रित दिशा निर्देश दिये गये तथा जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा संचारी रोगों से बचाव हेतु शपथ दिलायी गयी।

## लगे जो निर्गुन-निर्गुन

(कुण्डलिया)

चुन चुनकर चुनते रहे,केवल खरपतवार।
लाती है उनकी फसल, घर–घर में भिनसार।
घर–घर में भिनसार,नीवँ धर त्योहारों की।
बाँट रहे है प्रेम, न बातें अधिकारों की।
कविता सभी प्रदीप, लगे जो निर्गुन–निर्गुन।
मन में इसे उतार, बनाओ माला चुन चुन।।

कोई –सा भी दिन रहे,या फिर कोई रात।
भक्तों को होता सदा,दर्शन हरि–साक्षात।
दर्शन हरि–साक्षात,सुखद बेला को लाती।
दुनिया की हर रीति,सभी दिल को है भाती।
आँखें मित्र प्रदीप, बताओ क्यों है रोई।
समझो प्यारे अर्थ, धर्म हो चाहे कोई। ।

डॉ० प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज
प्रयागराज

## महाकुम्भ में उत्कृष्ट कार्य के लिए यूपी अग्निशमन विभाग को गोवा में मिला सम्मान

### गोवा के मुख्यमंत्री डा. प्रमोद सावंत ने अपने आवास पर किया सम्मानित

प्रयागराज। गोवा के सीएम ने महाकुम्भ में किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए की योगी सरकार और विभागीय अधिकारियों की सराहना,अग्निशमन विभाग की एडीजी, डिप्टी डायरेक्टर, नोडल सीएफओ महा कुम्भ–2025 व कमिश्नरेट मुख्य अधिकारी डॉ राजीव कुमार पांडेय को मिला सम्मान,महाकुम्भ अधिकारियों ने अपनी मेहनत के बल पर गंभीर से गंभीर अग्नि दुर्घटनाओं पर तत्काल काबू पाया,सीएम योगी के सुरक्षित महाकुम्भ के संकल्प को साकार करने में यूपी फायर एवं

इमरजेंसी सर्विसेज ने निभाई थी महत्वपूर्ण भूमिका, कुंभ मेला के 45 दिनों में कुल 185 अग्निकांड हुआ जिसमें सबसे बड़ा अग्निकांड 19.01.2025 को गीता प्रेस परिसर सेक्टर 19 महाकुंभ मेला के टेंटो में भयंकर अग्निकांड हुआ जिसमें अमन शर्मा उपनिदेशक महाकुंभ मेला और प्रमोद शर्मा सीएफओ महाकुंभ राजीव कुमार पाण्डेय सीएफओ कमिश्नरेट प्रयागराज, रमेश कुमार तिवारी सीएफओ महाकुंभ मेला अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के अथक प्रयास से 30 मिनट में 45 फायर टेंडर की मदद से अथक परिश्रम, हिम्मत, और साहस से अग्निशमन कार्य करते हुए 200 श्रद्धालुओं को सकुशल बचाया गया।


### आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 01.06.2025 को कानोता–खातीपुरा खण्ड पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 209 एवं 210 पर रोड अण्डर ब्रिज निर्माण के लिए कट एण्ड कवर पद्धति से आरसीसी बॉक्स डालने हेतु ब्लॉक लिया जाएगा, जिसके कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, आंशिक निरस्तीकरण एवं रिशेड्यूलिंग किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:–

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

| गाड़ी सं. | स्टेशन से - स्टेशन तक | प्रारंभिक स्टेशन से चलने की तिथि |
|---|---|---|
| 12195 | आगरा फोर्ट - अजमेर | 01.06.2025 |
| 12196 | अजमेर - आगरा फोर्ट | 01.06.2025 |
| 51973 | मथुरा - जयपुर | 01.06.2025 |
| 51974 | जयपुर - मथुरा | 01.06.2025 |

रेलगाड़ियों का आंशिक निरस्तीकरण

| गाड़ी सं. | स्टेशन से - स्टेशन तक | स्टेशनों के मध्य आंशिक निरस्तीकरण | प्रारंभिक स्टेशन से चलने की तिथि |
|---|---|---|---|
| 12403 | प्रयागराज जं. - लालगढ़ | मथुरा - लालगढ़ | 31.05.2025 |
| 20404 | लालगढ़ - प्रयागराज जं. | लालगढ़ - मथुरा | 02.06.2025 |

रेलगाड़ियों की रिशेड्यूलिंग

| गाड़ी सं. | स्टेशन से - स्टेशन तक | रिशेड्यूलिंग | प्रारंभिक स्टेशन से चलने की तिथि |
|---|---|---|---|
| 12404 | लालगढ़ - प्रयागराज जं. | लालगढ़ से 90 मिनट देर से चलेगी | 01.06.2025 |

नोटः- रेल यात्रियों को सुझाव दिया जाता है कि उपरोक्त रेलगाड़ियों की समय-सारणी, संरचना एवं अन्य स्टेशनों पर ठहराव से संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139, एनटीईएस ऐप एवं रेल मदद वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in के माध्यम से अद्यतन जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 555/25 (A)

# सम्पादकीय........

## संघ-भाजपा में तालमेल

भले ही प्रसंग राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सौ साल पूरा होने का हो, लेकिन प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की संघ के मुख्यालय की पहली यात्रा के गहरे निहितार्थ भी हैं। जो इस बात का संकेत है कि पिछले आम चुनाव के दौरान संघ व भाजपा के रिश्तों में जिस खटास की बात कही जा रही थी, वह संवाद व संपर्क से दूर कर ली गई है। जो इस बात का भी संकेत है कि आने वाले वक्त में पार्टी व सरकार के अहम फैसलों में संघ की भूमिका बढ़ सकती है। यूं तो प्रधानमंत्री ने बीते रविवार को नागपुर यात्रा के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में भागीदारी की, लेकिन उनका प्रधानमंत्री के रूप में संघ मुख्यालय पहुंचना खास चर्चा में रहा। उल्लेखनीय है कि चौथाई सदी पहले संघ मुख्यालय पहुंचने वाले अटल बिहारी वाजपेयी पहले प्रधानमंत्री थे। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मोदी भी संघ की पृष्ठभूमि से आते हैं। साथ ही वे संघ करीति–नीतियों से भली–भांति परिचित हैं। लेकिन पिछले आम चुनाव के दौरान भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेताओं के ऐसे बयान चर्चाओं में थे कि पार्टी का कद संघ से बड़ा हो गया है। जिसके चलते संघ व भाजपा के रिश्तों में कुछ कसक देखी गई। जिसकी कुछ इस तरह व्याख्या की गई कि पार्टी जिस तरह चार सौ पार के लक्ष्य से चूकी, उसके मूल में संघ कार्यकर्ताओं की उदासीनता रही है। बाद में दोनों के रिश्ते सामान्य होने के बाद हरियाणा, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भाजपा को जो आशातीत सफलता हाथ लगी, कहा जा रहा था कि उसमें संघ कार्यकर्ताओं का समर्पण व योगदान महत्वपूर्ण घटक रहा। अब संघ मुख्यालय में प्रधानमंत्री की यात्रा से यह तथ्य भी उजागर हुआ कि दोनों की रीतियों–नीतियों फिर से बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है। अब राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि आने वाले दिनों में केंद्र सरकार के फैसलों में संघ के दृष्टिकोण का प्रभाव नजर आएगा। वहीं दूसरी ओर कहा तो यहां तक भी जा रहा है कि आने वाले दिनों में भाजपा अध्यक्ष के चुनाव में संघ की भूमिका हो सकती है। ऐसा ही असर बदलते वक्त के साथ पार्टी के अन्य फैसलों पर भी नजर आ सकता है। यानी दोनों अब सामंजस्य व सहजता के साथ आगे बढ़ेंगे। अर्थात पार्टी अब अपने वैचारिक स्रोत के साथ बेहतर तालमेल करके चलना चाहेगी। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने संघ मुख्यालय में कहा कि संघ का विचार बीज अब वट वृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने संघ कार्यकर्ताओं के योगदान की चर्चा करते हुए संघ को भारतीय संस्कृति का विशाल वट वृक्ष बताया। बहरहाल, भाजपा संघ से कुछ मुद्दों पर असहमति से आगे निकल चुकी है। उल्लेखनीय है कि आम चुनाव परिणाम के बाद संघ प्रमुख ने नसीहत दी थी कि लोगों की सेवा करने वाले एक सच्चे सेवक में अहंकार नहीं होना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी कतिपय उन नेताओं की तरफ इशारा भी था जिन्होंने कहा था कि पार्टी बड़ी हो गई है और उसे संघ की पहले की तरह जरूरत नहीं है। इसके बाद संघ ने अपने महत्व का अहसास पार्टी को कराया। जिसका राजनीतिक लाभ भाजपा को कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों में मिला भी। बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा नागपुर यात्रा के दौरान की गई टिप्पणियों का निष्कर्ष यह भी है कि संघ परिवार की अब सरकार व पार्टी में भूमिका बढ़ सकती है। राजनीतिक पंडितों को तब आश्चर्य नहीं होगा यदि पार्टी के नये अध्यक्ष के चयन में संघ की मोहर लगे। यह भी हकीकत है कि लोकसभा चुनाव में अपने बलबूते पूर्ण बहुमत से दूर रहने के कारण पार्टी की सहयोगी दलों पर निर्भरता बढ़ी है। जिसके चलते भाजपा अपनी सुरक्षा को मजबूत करने के लिये संघ पर अधिक निर्भर रहेगी। निर्विवाद रूप से आने वाले समय में पार्टी को पंजाब, केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कठिन परीक्षा से गुजरना होगा। ऐसे में भगवा पार्टी को अगले दो वर्षों में बड़ी सफलता हासिल करने के लिये संघ पर निर्भर रहना पड़ेगा। जहां संघ अपनी आधार भूमि को विस्तार दे रहा है।

# आज का राशि फल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीनभाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

वृषभ :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ मिलेगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– अच्छे कायरें से परिजनो के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध के प्रति प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बनें। भविष्य संबंधी कुछ चिंतायें मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में जीना छोड़ें।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनो के अनुकूल चलने की चेष्टा करें।

धनु :– संवेदनील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कुंभ:– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरें में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

मीनः– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बनें। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया आपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

# तकनीक के तनाव: मोबाइल पर जुआ?

**भारत डोंगरा**

*सरकार द्वारा इसे रोकने या नियंत्रित करने के तमाम प्रयासों के बावजूद अनेक अवैध कारोबारी अपनी गतिविधियां इस दिशा में बढ़ा रहे हैं। इसका समाज, विशेषकर युवाओं और बच्चों पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ा है।*

डिजिटल इंडिया फाउंडेशन की एक हाल की रिपोर्ट के अनुसार भारत में आनलाईन गैंबलिंग या जुआ बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे डिजिटल प्लेटफार्म पर तीन महीनों में 160 करोड़ विजिट दर्ज किए गए हैं। सरकार द्वारा इसे रोकने या नियंत्रित करने के तमाम प्रयासों के बावजूद अनेक अवैध कारोबारी अपनी गतिविधियां इस दिशा में बढ़ा रहे हैं। इसका समाज, विशेषकर युवाओं और बच्चों पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ा है। द लांसेट पत्रिका में प्रकाशित रिचर्ड आरमिटेंड के अध्ययन के अनुसार, आनलाईन जुए का बच्चों के मानसिक, भावनात्मक तथा सामाजिक स्वास्थ्य और स्कूली उपलब्धि पर बहुत प्रतिकूल असर पड़ता है। नतीजे में उनकी अनेक लतों में फंसने की संभावना बढ़ती है। नई तकनीक के आगमन से अनेक लाभ मिल सकते हैं, यदि समुचित सावधानियां न बरती जाएं तो कई तरह की गंभीर क्षति भी हो सकती है। मोबाइल फोन से बहुत सी सुविधाएं प्राप्त होती हैं, अनेक लाभ हैं, पर इसे कई तरह के जुए के खेल का माध्यम भी बनाया जा रहा है। ताश ही नहीं, लूडो और क्रिकेट जैसे लोकप्रिय खेलों को भी ऐसा रूप दिया जा रहा है जो जुए के विभिन्न रूप ही हैं। इस नए तरह के जुए के जाल में अनेक किशोर व युवा फंसते चले जा रहे हैं। यहां तक कि दूर–दूर के गांवों में भी ऐसा हो रहा है। इस तरह के जुए में एक बार पैसे हारने के बाद इन किशोरों या युवकों में यह गहरी इच्छा रहती है कि कम–से–कम जो गंवाया है उतना तो वापस कर लिया जाए। इस उम्मीद में वे और पैसे लगाते हैं, पर प्रायरू उनका घाटा बढ़ता ही जाता है। इस कारण वे बहुत तनावग्रस्त हो जाते हैं और कभी–कभी तो अपने घर–परिवार से ही कुछ पैसा इधर–उधर कर जुए में डुबोते हैं। कई बार तो बच्चे भी इस जाल में फंस जाते हैं। हालांकि इसके लिए एक खास आयु वर्ग को ही अनुमति दी जाती है, पर कई बार इसका उल्लंघन किसी–न–किसी तिकड़म से किया जाता है।इस कारण अनेक बच्चों का ध्यान न केवल अपनी पढ़ाई–लिखाई से हट जाता है, अपितु वे अनेक तरह के तनावों का शिकार भी हो जाते हैं और जो उम्र अच्छे जीवन के लिए तैयारी की होती है, उसी में वे बर्बादी की ओर बढ़ने लगते हैं। यदि उन पर शक कर घर–परिवार के बड़े लोग उन्हें रोकते हैं या कुछ कहते हैं तो किशोर बहुत जल्दी तनावग्रस्त हो जाते हैं व उल्टी–सीधी हरकतें करने लगते हैं। इस कारण अनेक माता–पिता बहुत परेशान रहते हैं। एक महिला ने तो यहां तक कहा कि अपने बड़े हो रहे बच्चे की इस लत से वह इतनी परेशान हो गई हैं कि उसने दस हजार रुपए का मोबाइल ही गुस्से में तोड़ दिया, पर बच्चे ने फिर भी पूरी तरह इस आदत को छोड़ा नहीं। हाल ही में जब यह लेखक बुंदेलखंड क्षेत्र की अनेक महिलाओं से नशे को कम करने के उपायों पर बातचीत कर रहा था, तो उन्होंने कहा कि नशा करने का अभियान आप अवश्य चलाएं, पर उसके साथ जुए को कम करने के प्रयासों को भी जोड़ लीजिए। इस बारे में कुछ और पूछताछ करने पर पता चला कि कई बार जुए के खेल में झगड़े, गाली–गलौच, धमकियों की स्थिति भी आ जाती है। किसी गांव में बैठा अबोध किशोर इसके बारे में किसी को चाहे न बताए, पर अंदर–ही–अंदर उसके तनाव बढ़ते जाते हैं और उसे अन्य भीषण स्थिति की ओर भी ले जाते हैं। इस तरह के अनुभवों से गुजर चुके कुछ लोगों ने बताया कि शायद कुछ वयस्क लोग इस तरह की लत में अपना संतुलन बनाए रखते हों, पर जो किशोर व कच्ची उम्र के युवा हैं, उनका संतुलन प्रायरू बिगड़ जाता है। इसके अतिरिक्त ऐसे अनुभवों से गुजर चुके कुछ व्यक्तियों का कहना है कि केवल जुए वाले श्ऑन लाइनश खेलों के कारण ही तनाव की समस्या नहीं है। कुछ ऐसे खेल भी हैं जो जुए से न जुड़े होने के बावजूद तनाव व हिंसा का कारण बनते हैं। इन खेलों में बुरी तरह लीन होने या लत पड़ने के कारण अनेक बच्चों व किशोरों के मस्तिष्क का संतुलन बिगड़ जाता है। इस बारे में कुछ महिलाओं ने बताया कि उन्होंने अपने आसपास ही यह होते हुए देखा है। इसके अतिरिक्त कुछ लोगों ने यह शिकायत भी की है कि मोबाइल पर अश्लील चित्र या वीडियो बहुत अधिक देखने के कारण भी अनेक समस्याएं बढ़ रही हैं। बच्चे व किशोर अनेक तनावों व ऐसी सोच से त्रस्त हो रहे हैं, जिसे ठीक से समझने के लिए वे कच्ची उम्र में मानसिक व शारीरिक तौर पर तैयार ही नहीं हैं। इस कारण महिला–विरोधी यौन हिंसा दूर–दराज के गांवों में भी बढ़ सकती है। इस तरह की विभिन्न समस्याएं हाथ से बाहर निकल जाएं, इससे पहले इन्हें न्यूनतम करने की सभी संभावनाओं पर भली–भांति विचार करते हुए उचित उपाय निकालने चाहिए व इसके आधार पर एक अभियान द्वारा इन सभी खतरनाक संभावनाओं व क्षतियों को न्यूनतम करना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं। उनकी अनेक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।)

# पत्रकारिता में पहुंच बनाती कृत्रिम बुद्धिमत्ता

**डॉ. संतोष पाटीदार**

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) दुनिया भर की दशा और दिशा बदल रही है। इसे लेकर एक अलग दुनिया के दावे किए जा रहे हैं। एआई के चौंकाने वाले आविष्कारों की जानकारी और उनके उपयोग के साथ इसके खतरों के कहानी–किस्से भी मीडिया के माध्यम से दुनिया को सुनने मिल रहे हैं। ऐसे में पत्रकारिता इससे कैसे दूर रह सकती है? एआई का चमत्कार और पराक्रम देखकर लगता है कि यह प्रौद्योगिकी हौले–हौले पत्रकारिता को भी बदल देगी। क्या वास्तव में पत्रकारिता के साथ ऐसा होगा? इसे लेकर जितने प्रयोग, चिंतन, बहस और चर्चा दुनिया के उत्तरी गोलार्ध के विकसित कहे जाने वाले देशों में है, उतने दक्षिण की आधी दुनिया के विकासशील देशों में शायद नहीं है। ग्लोबल साउथ के पत्रकारों में एआई को लेकर असमंजस है। प्रौद्योगिकी के प्रयोग से जुड़े जोखिम और दायित्व, मीडिया प्रबंधन में नीतिगत उदासीनता, महंगे उपकरण, प्रशिक्षण का अभाव जैसे कारण श्एआईश पत्रकारिता की राह में बाधक है। तकनीकी विकास के इस दौर में यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले वर्षों में एआई की दिशा बदलती है या नहीं और क्या ग्लोबल साउथ या विकासशील देशों के पत्रकार भविष्य में अपने काम के लिए एआई को एक संसाधन के रूप में अपनाएंगे या उससे जुड़े संभावित दायित्व और जोखिम के रूप में देखेंगे। इस तकनीक को लेकर दुनिया भर में उत्सुकता तो बहुत है, लेकिन इसके प्रभाव के बारे में अधिकांश बहस या बातचीत विकसित देशों तक ही केंद्रित रही है। इस आधी दुनिया के दृष्टिकोण के आधार पर दुनिया भर में मान्यताएं बन रही हैं। इसके प्रयोग में वहां की पत्रकारिता भी प्रमुख रूप से आगे है। दुनिया में ग्लोबल साउथ के देश कमजोर या बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के साथ विकसित हो रहे हैं। ऐसे देशों में एआई को लेकर मीडिया के दृष्टिकोण पर एक अध्ययन किया गया है। ग्लोबल साउथ में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, एशिया आदि महाद्वीपों के देश शामिल हैं। थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन (टीआरएफ) की एक रिपोर्ट, जो दुनिया के 70 से अधिक देशों के 200 से अधिक पत्रकारों के सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर आधारित है, सामने आई है। इस रिपोर्ट के आधार पर अध्ययनकर्ता डमियन रेडक्लिफ विस्तार से बताते हैं कि इस अध्ययन का उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जानकारी और आशंका पर प्रकाश डालना है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एआई का उपयोग किस तरह किया जा रहा है, न्यूजरूम के सामने क्या–क्या अनोखी चुनौतियां हैं और पत्रकारों, न्यूजरूम के लीडरों, वित्तपोषकों और नीति–निर्माताओं के लिए इसके क्या निहितार्थ हैं? इस रिपोर्ट के कुछ निष्कर्ष हैं एआई को अपनाना व्यापक, लेकिन असमान है। सर्वेक्षण में एआई प्रौद्योगिकी के लिए सतर्क आशावाद पाया गया, एक ऐसी भावना जो शायद इस तथ्य को झुठलाती है कि वैश्विक–दक्षिण में एआई को अपनाना महत्वपूर्ण है। 10 में से आठ से अधिक (81.7फीसदी) पत्रकार अपने काम में एआई उपकरणों का उपयोग करते हैं। 81फीसदी उत्तरदाताओं ने कहा कि वे पहले से ही अपने काम में एआई टूल का उपयोग करते हैं। इनमें से लगभग आधे (49.4फीसदी) लोग प्रतिदिन एआई का उपयोग करते हैं, जो दर्शाता है कि कितनी जल्दी यह उनकी कार्य–संस्कृति का हिस्सा बन गया है। पत्रकार मुख्य रूप से कंटेंट का प्रारूप तैयार करने और संपादन, ट्रांसक्रिप्शन, तथ्यों की जांच और शोध के लिए जनरेटिव एआई का उपयोग कर रहे हैं। चौटजीपीटी, ग्रामरली, ओटर और कैनवा जैसे उपकरण कई पत्रकारों के लिए आवश्यक हो गए हैं, क्योंकि वे समय बचाने और दक्षता बढ़ाने की क्षमता रखते हैं, साथ ही उनके विचारों का दायरा और रचनात्मकता को बढ़ाते हैं। जैसा कि घाना के एक पत्रकार ने बताया, एआई ने मेरी पत्रकारिता को काफी हद तक बेहतर बनाया है। इसने मेरे शोध को सुव्यवस्थित किया है और मुझे जटिल डेटा का त्वरित और सटीक विश्लेषण करने में सक्षम बनाया है, विशेष रूप से एचआईवी शोध और पर्यावरण रिपोर्टिंग जैसे क्षेत्रों में। एआई अपनाने में बाधाएं प्रशिक्षण और नीतिगत समस्याओं के कारण एआई की इस नई प्रौद्योगिकी या टेक्नालॉजी तक पहुंच आसान नहीं होती, फिर भी, एआई को लेकर सभी में उत्साह है। सर्वेक्षण में करीब 13फीसदी पत्रकारों ने बताया कि उनके न्यूजरूम में एआई नीति है, हालांकि इसे अपनाने में अन्य बाधाओं का भी सामना करना पड़ता है। कई पत्रकारों ने एआई उपकरणों तक सीमित पहुंच, उच्च लागत और प्रशिक्षण की कमी के साथ–साथ मार्गदर्शन की कमी जैसी बाधाओं की बात कही। कुछ लोगों के लिए, विशेष रूप से कम संसाधन वाले न्यूजरूम में, एआई को अपनाना चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। अक्सर ऐसा वित्तीय और तकनीकी बाधाओं के कारण होता है। सर्वेक्षण में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह था कि लगभग 58फीसदी एआई उपयोगकर्ता स्वयं–शिक्षित हैं, यानी खुद के प्रयास से इस विधा को सीख रहे हैं, उनके नियोक्ताओं से उन्हें कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं मिला है।

## पंचचामर छंद में मां की वन्दना
## प्रसीद विश्व मोहिनी

गदा त्रिशूल धारिणी, प्रसीद सिंह वाहिनी,  
सती, सुधा, सुहासिनी,नमामि दुर्ग धारिणी।  
तुम्हें धारा पुकारती, दया करो मां तारिणी,  
नमामि चण्डनाशिनी,नमामि मुण्ड धारिणी।

नमामि मातु चण्डिके,भजामि शोक नाशिनी,  
नमामि मातु अम्बिके, अभीष्ट सिद्ध दायिनी।  
विशाल रूप धारिणी,कराल रूप धारिणी,  
निशुम्भ शुम्भ मर्दिनी, तु रक्तबीज नाशिनी।

भजामि दुर्गनाशिनी,भजामि दुर्गदारिणी,  
भजामि मातु शारदा,भजामि शूल धारिणी।  
भजामि मातु वैष्णवी,भजामि विंध्यवासिनी,  
सुबुद्धि बुद्धि कीजिए,मां काम क्रोध नाशिनी।

सुयोग योग कारिणी,त्रिदेव शक्ति धारिणी,  
जलोदारी शिवा प्रिये,अचिंत्य रूप धारिणी।  
महाबला, महातपा, कलेश द्वेष दोहिनी,  
प्रसीद मातु भाविनी, प्रसीद विश्व मोहिनी।

संगीता 'सुमन'  
प्रयागराज उप्र

# सोनिया के उठाये मुद्दों पर ध्यान दे सरकार!

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा की सदस्य सोनिया गांधी ने एक लेख में केन्द्र सरकार की उसकी शिक्षा नीति को लेकर जमकर घेराबन्दी की है। उनका आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बिना पर्याप्त विचार–विमर्श के और अपने राजनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के मकसद से राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 जनता पर थोप रही है। अंग्रेजी अखबार द हिंदू में प्रकाशित होने के बाद जमकर चर्चा में आये इस लेख में सोनिया गांधी ने इस बात की आलोचना की है कि भाजपा सरकार ने सी 3 (केंद्रीकरण– सेंट्रलाइजेशन, व्यावसायीकरण– कमर्शियलाइजेशन और सांप्रदायिकता– कम्युनलिज्मरू) के अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने का साधन नई शिक्षा नीति (एनईपी) को बनाया है। इस लेख में वैसे तो कांग्रेस नेत्री ने अनेक महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये हैं परन्तु इसका मुख्य फोकस शिक्षा प्रणाली के वे आयाम हैं जो देश के लिये विनाशकारी साबित होंगे। उन्होंने एनईपी में अनेक खामियां गिनाते हुए कहा कि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विचारों को पूरा करने के लिये बनाई गई है। शिक्षा किसी भी समाज के विकास की बुनियाद होती है। सोनियाजी के इस लेख में एनईपी से उत्पन्न होने वाले खतरे तथा उनकी चिंताएं साफ झलकती हैं जो इस बात का भी आभास कराती हैं कि इस शिक्षा प्रणाली की राह पर चलकर बनने वाला समाज व देश कैसा होगा। इस लेख में सरकार की शिक्षा के प्रति बरती जाने वाली उदासीनता तथा नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों से चल रही सरकार की सायास फैलाई जा रही बदइंतजामी के चलते बड़ी तादाद में बन्द होते स्कूल, सरकार के विचारों का समर्थन न करने वाले शिक्षाविदों तथा शिक्षकों के साथ होता भेदभावपूर्ण व्यवहार आदि की ओर तो ध्यान दिलाया ही गया है, सोनिया गांधी ने विस्तार से स्पष्ट किया है कि ३ ३ सीश का एजेंडा मोदी सरकार किस प्रकार से लागू कर रही है और उसके दुष्परिणाम क्या हो रहे हैं। यही एक तरह से उनकी शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा का निष्कर्ष है जो हर उस नागरिक को परेशान करने के लिये काफी होना चाहिये जो मुल्क की बेहतरी की सोचता हो। नई शिक्षा प्रणाली के नाम पर बच्चों को जिस प्रकार से ढाला जायेगा और उनके जो हालात होंगे, उसकी ओर साफ इशारा सोनिया गांधी के लेख में है। मुख्यतः जिस 3 सी का उन्होंने अपने लेख में जिक्र किया है, उसके पहले सी यानी केन्द्रीकरण के बारे में बात की जाये तो यह तो साफ है कि यह सरकार समाज के हर संसाधन व अवसरों पर एकाधिकार कर रही है। इनमें शिक्षा व्यवस्था भी है। लेख में कहा गया है कि वैसे तो शिक्षा समवर्ती सूची में शामिल है, यानी वह केन्द्र व राज्य दोनों का ही विषय है, लेकिन इस महत्वपूर्ण मसले पर केन्द्र सरकार न तो राज्यों से चर्चा करती है और न ही वह विशेषज्ञों से सलाह–मशविरा लेती है। वह इस मामले में अपनी मर्जी तो थोपती है बल्कि उसका रवैया धमकी भरा भी होता है। उन्होंने इस मामले में तमिलनाडु के साथ केन्द्र द्वारा राज्यों पर हिन्दी को थोपने की कोशिशों की ओर भी ध्यान दिलाया है। दूसरे सी यानी व्यवसायीकरण की बात करें तो यह पहले ही साफ दिख रहा है कि मोदी सरकार शिक्षा को इतनी महंगी कर देने पर आमादा है कि वह सामान्य लोगों की पहुंच से बाहर हो जाये। इसके कारण देश में वर्गभेद और भी बढ़ेगा। थोड़े से लोग ही इस शिक्षा को पाने का खर्च वहन कर सकेंगे जबकि अधिसंख्य जनता स्कूल–कॉलेजों का खर्च वहन नहीं कर सकेगी। शासकीय व सस्ती शिक्षा की बजाय निजी व महंगी शिक्षा के प्रति सरकार का रुझान साफ दिखाई देता है। सोनिया गांधी द्वारा उल्लेखित तीसरा सी इस फार्मूले का सबसे खतरनाक पक्ष है– शिक्षा का साम्प्रदायिकरण। इस शिक्षा पद्धति में आधुनिकता का अभाव है। उन्होंने ध्यान दिलाया है कि पाठ्यक्रम से महात्मा गांधी और मुगलकालीन इतिहास को हटाया जा रहा है जो कि बहुत गम्भीर है। इतिहास में हुई घटनाएं किसी को पसंद आयें या न आयें, वे हो चुकी हैंय लेकिन भाजपा अपनी सरकार के जरिये उन्हें इसलिये मिटाना चाहती है ताकि उसका हिंदुत्व का एजेंडा पूरा हो। यह बच्चों में आधुनिक, तटस्थ व वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित शिक्षा की जगह पर पिछड़ी सोच तथा पूर्वाग्रहों वाली प्रणाली लागू करने का प्रयास है। इसका मकसद अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत तथा हिंसा को बढ़ावा देना है जो कि भाजपा का अगले कई वर्षों तक का वोट बैंक बनायेगा। राजनीतिक स्तर पर किया गया ध्रुवीकरण, जिसके बल पर भाजपा ने सत्ता हासिल की है– उसे बनाये रखना भी इसी प्रणाली के जरिये होगा। दरअसल भाजपा सरकार देश को उसी मध्य युग में ले जाना चाहती है जहां समाज का आधार मनुवादी व्यवस्था हो। इसमें शिक्षा उन थोड़े से लोगों के लिये उपलब्ध होगी जो विशेषाधिकार प्राप्त हों। देश की बहुसंख्य आबादी निरक्षर या अल्प शिक्षित रहे जिसे अपने अधिकारों के प्रति न तो जानकारी हो, न ही वह अपने विकास की बात करे। संघ का पूंजीवाद में विश्वास है। कुछ लोगों के हाथों में सारी आर्थिक ताकत सिमट जाने पर उनके लिये सस्ता मानव श्रम जुटाने की जिम्मेदारी इसी शिक्षा प्रणाली की होगी। इतना ही नहीं, इसी शिक्षा प्रणाली में ऐसे नागरिकों की पौध तैयार हो रही है जो भाजपा के निर्देश पर समाज में हिंसा व घृणा फैलाने का काम अगले कई बरसों तक करती रहेगी। इसलिये इसका विरोध जरूरी है। सोनियाजी ने बहुत महत्वपूर्ण विषय पर नागरिकों का ध्यान आकृष्ट किया है। हठधर्मिता छोड़कर सरकार इस ओर ध्यान दे।

# कॉमेडी की दुनिया के बेताज बादशाह हैं कपिल शर्मा, विवादों से भी रहा पुराना नाता

कपिल शर्मा ओटीटी पर धमाल मचा रहे हैं। बता दें कि कपिल ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में एक फिल्म में काम किया था। लेकिन यह फिल्म बुरी तरह से पिट गई थी। हालांकि बाद में इस फिल्म ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज किया था।

कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा आज यानी की 02 अप्रैल को अपना 44वां जन्मदिन मना रहे हैं। भले ही कपिल शर्मा ने कॉमेडी शो से अपने करियर की शुरूआत की थी। लेकिन बाद में उन्होंने अपनी काबिलियत और मेहनत के दम पर खुद का शो बना लिया। फिलहाल कपिल शर्मा ओटीटी पर धमाल मचा रहे हैं। बता दें कि कपिल ने अपने करियर के शुरूआती दिनों में एक फिल्म में काम किया था। लेकिन यह फिल्म बुरी तरह से पिट गई थी। हालांकि बाद में इस फिल्म ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज किया था।

तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर कपिल शर्मा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

पंजाब के अमृतसर में 02 अप्रैल 1981 को कपिल शर्मा का जन्म हुआ था। वह बचपन में काफी शरारती और चुलबुले थे। उनके पिता जितेंद्र कुमार हेड कॉन्स्टेबल थे और मां जानकी रानी हाउस वाइफ थीं। बचपन में कपिल टीवी देखकर फिल्मी हस्तियों की मिमिक्री किया करते थे और लोगों को हंसाया करते थे। लेकिन तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह बच्चा एक दिन कॉमेडी से पूरी दुनिया पर राज करेगा। कपिल शर्मा की जिंदगी में एक समय ऐसा भी रहा था, जब उनके पास बहन की शादी के लिए पैसे नहीं थे। वहीं पिता की मौत के बाद पूरा परिवार तंगहाली से गुजारा कर रही थी। कपिल शर्मा ने परिवार का खर्च का चलाने के लिए कई दुकानों पर छोटा–मोटा काम किया। लेकिन कपिल की महत्वकांक्षाएं काफी बड़ी थीं। ऐसे में वह काम करने के साथ–साथ कपिल शर्मा थिएटर किया करते थे।

करियर

बता दें कि इस दौरान कपिल शर्मा की मुलाकात गुरप्रीत सिंह नामक एक शख्स से हुई, जो उनकी प्रतिभा के मुरीद थे। गुरप्रीत सिंह की सलाह पर कपिल ने टीवी के फेमस शो जीम ळतमंज प्दकपंद स्ंनहीजमत बेंससमदहम में हिस्सा लिया। इस शो से कपिल शर्मा का वह ख्वाहिश पूरी हुई, जिसकी वह कल्पना करते थे। यह शो खत्म होते–होते कपिल शर्मा पूरे देश में फेमस हो चुके थे। फिर वह 'कॉमेडी सर्कस' में भी काफी सफल हुए और छोटे पर्दे के स्टार बन गए।

विवाद

जो कपिल शर्मा अपने बेस्ट ह्यूमर से लोगों को हंसाते हैं, वहीं उनसे जुड़े कई विवादों ने उनकी छवि को धूमिल करने का काम किया। फिर चाहे वह कलाकार सुनील ग्रोवर के साथ झगड़ा हो या फिर आधी रात में नशे की हालत में शाहरुख खान के घर में घुसने जैसा विवाद हो। लेकिन कपिल शर्मा ने अपनी गलतियों से काफी कुछ सीखा है।

## 'बिग बॉस ओटीटी 2' फेम जिया शंकर उम्र भर रहेंगी कुंवारी, शादी से हुआ मोहभंग, बोलीं– मुझे लड़कों का झंझट नहीं चाहिए

बिग बॉस ओटीटी 2श् की एक्स–कंटेस्टेंट जिया शंकर शो खत्म होने के बाद भी काफी सुर्खियों में रहती हैं। वह अपने बेबाक अंदाज से जल्द ही खबरों में आ जाती है। हाल ही में एक इंटरव्यू में जिया ने ऐसा बयान दिया है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है। जिया ने कहा कि अब उनका मन शादी करने का नहीं है और वह जीवन भर कुंवारी रहना चाहती हैं। इंटरव्यू में जिया ने कहा, मैं किसी के साथ नहीं रहना चाहती। अब मेरा फैसला यह है कि मैं पूरी जिंदगी सिंगल रहूंगी और शादी नहींकरूंगी। मैंने यह निर्णय ले लिया है कि मुझे रिलेशनशिप या लड़कों का झंझट नहीं चाहिए। इसके बाद उन्होंने अपनी जिंदगी के बारे में और भी बातें शेयर कीं। जिया ने आगे कहा कि वह एक निजी जगह पर अपनी मां और अपने पालतू कुत्तों के साथ अपना जीवन बिताना चाहती हैं। उन्होंने बताया, मैं बाली में एक विला खरीदने का विचार कर रही हूं, जहां मैं अपनी मां और अपने बिल्ला (पालतू कुत्ता) के साथ रहूंगी, और मेरे दो पेट डॉग भी होंगे। पिछले साल बताया था शादी करने का इरादा यह बयान कुछ हैरान करने वाला था क्योंकि पिछले साल जिया ने खुलासा किया था कि वह जल्द ही शादी करने का विचार कर रही हैं। लेकिन अब उनका नजरिया पूरी तरह से बदल चुका है।

## मदीना के बाद जन्नत जुबैर और उनका परिवार मक्का के लिए रवाना

मदीना की यात्रा के बाद, फेमस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जन्नत जुबैर अपने परिवार के साथ धार्मिक यात्रा के तहत पवित्र शहर मक्का की ओर रवाना हो रही हैं। इसकी घोषणा करते हुए जन्नत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर कई फोटो पोस्ट कीं। फोटो में वह अपने भाई अयान जुबैर रहमानी और मां नाजनीन जुबैर रहमानी के साथ पोज देती नजर आईं। जन्नत काले रंग का अबाया पहने नजर आईं। मक्का की यात्रा के दौरान जन्नत की करीबी दोस्त और एक्ट्रेस रीम समीर भी उनके साथ शामिल हुईं। यह बताते हुए कि यह मक्का की उनकी तीसरी यात्रा है, जन्नत ने कैप्शन लिखा, मक्का की अपनी तीसरी यात्रा के लिए जा रहे हैं... ईद मुबारक इसके अलावा, रीम ने अपने इंस्टाफैम को मक्का की अपनी ट्रेन यात्रा की कुछ फोटोें भी भेजीं। रविवार को जन्नत अपने प्रियजनों के साथ मदीना में थीं। उनके साथ मदीना में उनके पिता जुबैर अहमद रहमानी, मां, भाई और रीम भी थीं। मदीना जाने के अपने अनुभव को साझा करते हुए, जन्नत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, ईद मुबारक...आज अपने परिवार के साथ मदीना में ईद मनाई, और मेरा दिल भर आया। एक सपना सच हुआ, अल्हम्दुलिल्लाह। अल्लाह हमारी प्रार्थनाओं और उपवासों को स्वीकार करें, और हम सभी को शांति, सुरक्षा और अंतहीन दया प्रदान करे। इसके अलावा, रीम ने कुछ फोटो पोस्ट करते हुए अपने इंस्टाग्राम पर यह भी लिखा, आज तक की मेरी सबसे अच्छी ईद। अल्लाह का हर चीज के लिए बहुत शुक्रिया। अल्हम्दुलिल्लाह हर चीज के लिए। एक अन्य अपडेट में, जन्नत ने हाल ही में साथी इन्फ्लुएंसर फैसल शेख के साथ अपने कथित ब्रेकअप के लिए सुर्खियां बटोरीं। अब, ताजा रिपोर्ट बताती हैं कि जन्नत और फैसल कुकिंग रियलिटी शो, लाफ्टर शेफ्स सीजन 2 के आगामी एपिसोड में एक साथ दिखाई देंगे रिपोर्ट के अनुसार, जन्नत, जो लाफ्टर शेफ्स के शुरुआती सीजन का हिस्सा थीं, दूसरे सीजन के लिए वापसी करने के लिए तैयार हैं। माना जा रहा है कि फैजल भी शो में उनके साथ होंगे।

## क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने कल रात आईपीएल मैच में गर्लफ्रेंड जैस्मिन संग अफेयर किया पक्का! वीडियो वायरल

पूर्व क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने हाल ही में अपनी जिंदगी में आगे बढ़ते हुए गर्लफ्रेंड जैस्मिन वालिया के साथ अपना रिश्ता पक्का कर लिया है। एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिससे यह कयास लगाए जा रहे हैं कि हार्दिक और जैस्मिन एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं। इस वीडियो ने सोशल मीडिया यूजर्स के बीच हलचल मचा दी है। 2024 में हार्दिक पांड्या और नताशा से तलाक हो गया था। तलाक के बाद नताशा अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट करती रहती हैं, जिनसे उनके फैंस यह अनुमान लगाते हैं कि वह अब भी हार्दिक को लेकर इमोशनल हैं। हालांकि, हार्दिक अब अपनी जिंदगी में आगे बढ़ चुके हैं और जैस्मिन वालिया के साथ अपने रिश्ते को पक्का करते नजर आ रहे हैं। 31 मार्च को मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच आईपीएल मैच हुआ था। इस मैच के बाद एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें जैस्मिन वालिया को मुंबई इंडियंस की बस में चढ़ते हुए देखा गया। जबकि मुंबई इंडियंस ने मैच जीत लिया था, सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान मैच की बजाय जैस्मिन की मौजूदगी पर ज्यादा गया। इससे यह अटकलें तेज हो गईं कि हार्दिक और जैस्मिन के बीच कुछ खास है। हार्दिक पांड्या और जैस्मिन वालिया को पहली बार तब नोटिस किया गया था जब दोनों ने एक ही स्वीमिंग पूल की अलग–अलग तस्वीरें पोस्ट की थीं। इसके बाद दोनों को कई बार एक साथ देखा गया। अब जब जैस्मिन को हार्दिक पांड्या की टीम की बस में देखा गया, तो यह और भी स्पष्ट हो गया कि दोनों एक–दूसरे के करीब हैं।

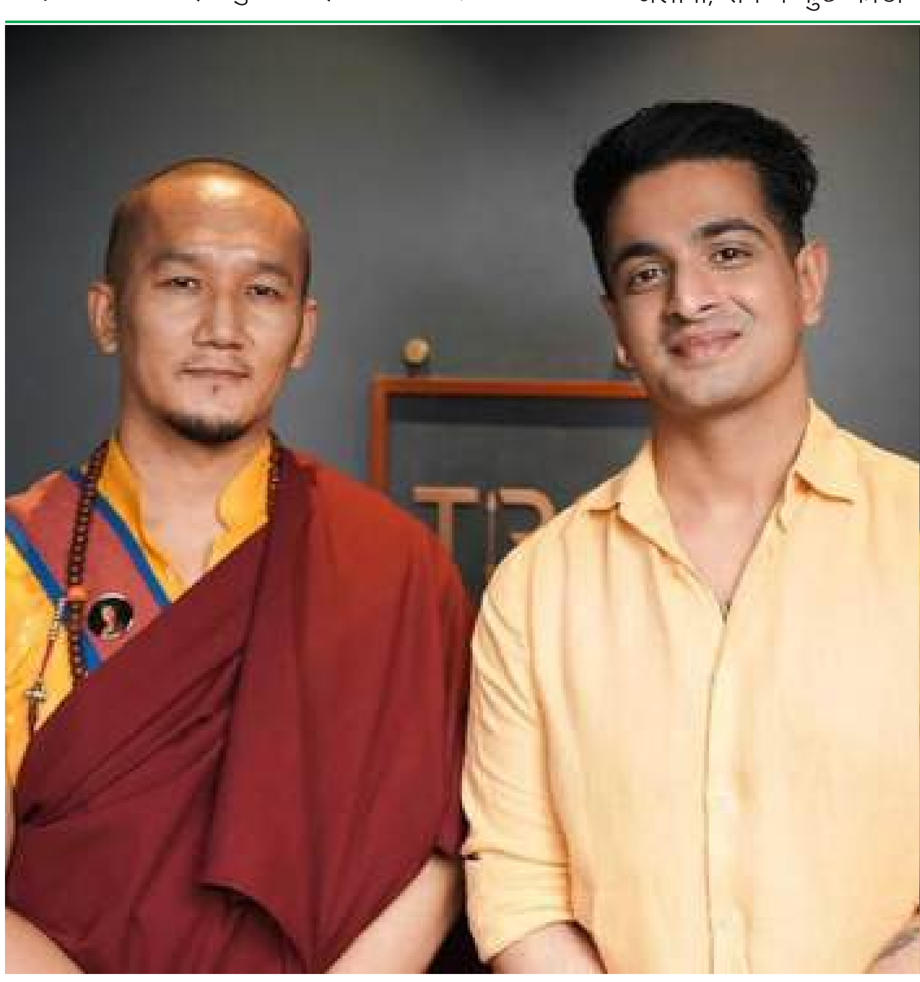

## इंडियाज गॉट लैटेंट विवाद के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने पहला पॉडकास्ट किया जारी

इंडियाज गॉट लैटेंट शो विवाद के एक महीने से अधिक समय के बाद, फेमस यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने अपने चैनल टीआरएस पर एक नया पॉडकास्ट जारी किया है। बौद्ध भिक्षु पाल्गा रिनपोछे के साथ अपनी हालिया बातचीत में, रणवीर ने अपने जीवन की चुनौतीपूर्ण वास्तविकताओं के बारे में बात की। भिक्षु के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, रणवीर ने उनके साथ अपनी मुलाकात को याद किया। पॉडकास्टर ने खुलासा किया कि भिक्षु ने उन्हें ज्ञान और करुणा के मिलन का वास्तविक अर्थ सिखाया। अपने जीवन में हाल ही में आई चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए, रणवीर ने कहा, हम अपने जीवन में पहले भी दो बार मिल चुके हैं, सर, और आप हमेशा ऐसे समय में आए हैं, जब मैं कठिनाइयों का सामना कर रहा था। जब मेरी वास्तविकता एक कठिन परिस्थिति का सामना कर रही होती है...आज, मैं एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहा हूं, जिसके बारे में मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं उसका सामना करूंगा, इसलिए मैं बहुत आभारी हूं। धन्यवाद, आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। जैसे ही रणवीर ने सोशल मीडिया पर भिक्षु पाल्गा रिनपोछे के साथ अपनी ताजा बातचीत की झलकियां शेयर कीं, नेटिजेंस ने कमेंट बॉक्स में उनके समर्थन में कमेंट्स की बाढ़ ला दी, और उन्हें और अधिक मजबूती से वापस आने के लिए कहा। हाल ही में, यूट्यूबर ने एक और मौका मांगा, और वादा किया कि वह अधिक जिम्मेदारी के साथ कंटेंट बनाएंगे। रणवीर ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए कहा, अगर संभव हो तो कृपया अपने दिल में मेरे लिए जगह बनाइए। मुझे एक और मौका दीजिए। मुझे कंटेंट क्रिएशन बहुत पसंद है। मुझे पॉडकास्टिंग बहुत पसंद है। अपने देश के इतिहास और संस्कृति को जानना मेरा जुनून है। मैं अपनी नौकरी के जरिए यही कर रहा हूं। और मैं बस यही करना चाहता हूं। जब मेरा मानसिक स्वास्थ्य इतना खराब हो रहा था, तब ध्यान, साधना और प्रार्थना के जरिए मुझे पता चला कि अंत में सिर्फ भगवान ही आपके साथ हैं। रणवीर ने आगे कहा, इसलिए मैं इस दौर को सजा के तौर पर नहीं देख रहा हूं। मैं इसे एक सीख के तौर पर देख रहा हूं। मैं इसे एक बदलाव के तौर पर देख रहा हूं। अगर भगवान ने अब तक इतना कुछ दिया है, तो मैं इस दौर को भगवान का तोहफा मानता हूं। उन्होंने अंत में कहा, और मुझे उम्मीद है कि अगले 10, 20, 30 सालों में हम अपने कंटेंट और अपने काम के जरिए वाकई देश को बदल देंगे। पॉडकास्ट की क्वालिटी बढ़ेगी।

## गर्मियों में चिकनकारी कुर्ती वियर करना ट्रेंडी बन चुका है, सही तरह से करें स्टाइल तो सबकी निगाहें आप पर होगी

समर सीजन शुरु हो चुका है। इस मौसम में ज्यादातर लोग परेशान रहते हैं क्या और किस तरह के कपड़े पहनें। खासतौर पर महिलाएं परेशान रहती है कि वो ऐसा क्या वियर करें, जिसमें वह काफी स्टाइलिश नजर आएं और गर्मी भी न लगे। इसलिए आप इस मौसम सबसे बढ़िया है कि चिकनकारी कुर्ती वियर करें। यह काफी स्टाइलिए और बेहतरीन लुक देती है। तो चलिए बिना देर किए आपको बताते हैं, आप चिकनकारी कुर्ती को कैसे वियर करें।

फिटिंग बेहतरीन हो

जब भी आप चिकनकारी कुर्ता वियर करें, तो उसकी फिटिंग का खास ध्यान रखें। गौरतलब है कि, आपकी चिकनकारी कुर्ती ढीली या फिर टाइट होगी, तो इससे आपका लुक खराब हो जाएगा। इसलिए आप अपनी कुर्ती को सही फिटिंग कराकर ही पहनें।

जींस के साथ वियर करें

वैसे चिकनकारी कुर्ती जींस के साथ वियर करने से खूबसूरत लुक प्रदान करती है। अगर आप ऑफिस या कॉलेज जाती हैं, तो आप जींस कैरी कर सकते हैं। जींस के साथ कुर्ती पहनकर आपका अंदाज बेहतरीन लगेगा।

प्लाजो के साथ कैरी कर सकते हैं

अगर आपको जींस के साथ कैरी नहीं करना हैं, तो आप प्लाजो पहनें। प्लाजों के साथ आप चिकनकारी कुर्ती कैरी करती हैं, तो इसे पहनकर आपका लुक एकदम एथनिक लगेगा और आप भी मस्त लगेंगी।

हल्के रंग का चयन

जब भी आप चिकनकारी कुर्ती खरीदने जाएं तो हमेशा हल्के रंग ही चूज करें। लाइट कलर की चिकनकारी कुर्ती गर्मी के मौसम में आपको सहज रखने में मदद करेगी। इसे पहनने के बाद आपको गर्मी नहीं लगेगी।

ज्वेलरी का चयन करें

एथनिक लुक देने के लिए आप चिकनकारी कुर्ती के साथ ऑक्सीडाइज वाली ज्वेलरी जरुर पहनें, क्योंकि चिकनकारी कुर्ती का रंग बेहद हल्का होता है। आपके लुंक को कंप्लीच करने में ऑक्सीडाइज ज्वेलरी मदद करेगी।

सही फुटवियर पहनें

इस बात का ध्यान रखें कि चिकनकारी कुर्ती के साथ सही फुटवेयर जरुर पहनें। अगर आप चिकनकारी कुर्ती के साथ टाइट जींस पहन रहें, तो आप पैरों में हील्स पहनें। अगर आप वाइड लेग जींस पहन रहीं हैं तो आप जूते कैरी कर सकते हैं। अगर आप प्लाजो पहन रही हैं, तो फ्लैट्स वियर करें। इससे आपका लुक शानदार दिखेगा।

## नवरात्रि के बाद कलश के पानी और नारियल का क्या करें? जानिए सही तरीका

30 मार्च से चौत्र नवरात्रि का शुभ आयोजन शुरू हो चुका है। इस पावन नौ दिवसीय पर्व के दौरान घरों और मंदिरों में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की विधि–विधान से पूजा अर्चना की जाती है। नवरात्रि के हर दिन मां के अलग–अलग स्वरूप की पूजा की जाती है, साथ ही उनकी आरती, स्तुति और पाठ भी किया जाता है। नवरात्रि की शुरुआत कलश स्थापना के साथ होती है। इस दौरान कलश में पानी, आम के पत्ते, नारियल और अन्य पवित्र वस्तुएं रखी जाती हैं। जैसे ही नवरात्रि का समापन होता है, कई लोग सोचते हैं कि कलश, नारियल और उसमें रखे पानी का क्या करें। इस लेख में हम आपको नवरात्रि के बाद कलश और संबंधित वस्तुओं के सही तरीके के बारे में बताएंगे।

नवमी के बाद कलश का क्या करें?

नवरात्रि के अंतिम दिन नवमी तिथि पर कलश को पूजा स्थल से हटा देना चाहिए। इसके बाद कलश का विसर्जन करना आवश्यक है, लेकिन यह विसर्जन शुभ मुहूर्त में ही करना चाहिए ताकि धार्मिक दृष्टि से सब कुछ सही रहे।

विसर्जन का तरीकाः कलश को पवित्र जल में प्रवाहित करें या फिर किसी नदी, तालाब या अन्य पवित्र जल स्रोत में विसर्जित करें। यदि पानी में विसर्जन संभव नहीं है, तो आप इसे मिट्टी में दबाकर रख सकते हैं या किसी पेड़ के नीचे दफना सकते हैं।

कलश पर रखें नारियल का क्या करें

नवरात्रि के दौरान कलश के ऊपर नारियल रखा जाता है, जिसे विशेष रूप से पवित्र माना जाता है। नवमी के बाद नारियल का भी उचित तरीके से प्रबंधन करना जरूरी है। नारियल को फोड़कर उसका प्रसाद अपने परिवार के साथ बांटें।

लाल कपड़े में बांधेः नारियल को लाल कपड़े में बांधकर घर के मंदिर या तिजोरी में रख सकते हैं, जिससे घर में सुख–शांति बनी रहे। यदि आप इसे घर में नहीं रखना चाहते तो नारियल को पवित्र जल में प्रवाहित कर दें, विशेष रूप से किसी पवित्र नदी या जल स्रोत में।

कलश के जल का क्या करें?

कलश में रखा गया पानी भी बहुत पवित्र माना जाता है। इस जल को विसर्जित करते समय आपको विशेष ध्यान रखना चाहिए। कलश के जल को पूरे घर में छिड़कने से घर में सकारात्मक ऊर्जा और शांति बनी रहती है। इस पानी को नीम, पीपल, या बरगद के पेड़ के नीचे डालना शुभ माना जाता है। यदि आपके पास कोई बगीचा है, तो इस पानी को पेड़–पौधों में भी डाल सकते हैं।

अखंड ज्योति का क्या करें?

अखंड ज्योति नवरात्रि के दौरान पूरे नौ दिनों तक जलती रहती है, जो मां दुर्गा की उपस्थिति और आशीर्वाद का प्रतीक है। इस पावन ज्योति को समापन के बाद तुरंत बुझाना शुभ नहीं माना जाता। पूजा समाप्त होने के बाद ज्योति की बत्ती को निकालकर अलग कर दें। बर्तन में बचा हुआ तेल बहुत पवित्र होता है। इसे फिर से पूजा में इस्तेमाल करें या इसे घर के मंदिर में रखकर मां दुर्गा की आराधना करें। नवरात्रि के बाद कलश, नारियल और अखंड ज्योति का सही तरीके से प्रबंधन करना बहुत जरूरी है। यह जानकारी आपके घर में शांति और शुभ ऊर्जा बनाए रखने में मदद करेगी।

## दोस्त नहीं आपका दुश्मन है फोन, सेहत के खराब करने के साथ ही छीन रहा है रातों की नींद

एक अध्ययन में पाया गया है कि सोने से एक घंटे पहले स्क्रीन का उपयोग अनिद्रा के जोखिम को लगभग 60 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है और नींद के समय को लगभग आधे घंटे तक कम कर सकता है। नॉर्वे में 18–28 वर्ष की आयु के 45,000 से अधिक छात्रों से उनके सोने के समय और आदतों के बारे में पूछा गया, जिसमें यह भी शामिल था कि वे बिस्तर पर जाने के बाद कितनी देर तक स्क्रीन का उपयोग करते हैं। प्रतिभागियों द्वारा स्क्रीन के उपयोग का उद्देश्य, जैसे कि फिल्में देखना या सोशल मीडिया, भी बताया गया।

सोने से पहले नींद का उपयोग खतरनाक

नॉर्वेजियन इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ के गनहिल्ड जॉन्सन हेटलैंड और फ्रंटियर्स इन साइकियाट्री जर्नल में प्रकाशित अध्ययन के मुख्य लेखक ने कहा, स्क्रीन गतिविधि का प्रकार उतना मायने नहीं रखता जितना कि बिस्तर पर स्क्रीन का उपयोग करते हुए बिताया गया कुल समय। हेटलैंड ने कहा–हमें सोशल मीडिया और अन्य स्क्रीन गतिविधियों के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं मिला, यह दर्शाता है कि स्क्रीन का उपयोग ही नींद में खलल डालने वाला मुख्य कारक है–संभवतः समय विस्थापन के कारण, जहां स्क्रीन का उपयोग समय लेकर नींद में देरी करता है, जो अन्यथा आराम करने में व्यतीत होता है।

चार तरीकों से नींद को प्रभावित करता है फोन

अनिद्रा को 30 मिनट से अधिक समय तक सोने के रूप में परिभाषित किया जाता है और इसमें रात के दौरान अक्सर नींद से जागने जैसी गड़बड़ी शामिल हो सकती है। नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है और इसलिए, व्यक्ति दिन के दौरान नींद महसूस कर सकता है, जिससे गतिविधियों में बाधा आती है। शोधकर्ताओं ने बताया कि स्क्रीन का उपयोग चार तरीकों से नींद को प्रभावित कर सकता है–सूचनाएं नींद में खलल डालती हैं, स्क्रीन का समय सोने के समय की जगह ले लेता है, स्क्रीन की गतिविधियां आपको जगाए रखती हैं जिससे आपको सोने में अधिक समय लगता है, या प्रकाश के संपर्क में आने से सर्कैडियन लय में देरी होती है। हेटलैंड ने कहा कि छात्रों में नींद की समस्याएं बहुत आम हैं और मानसिक स्वास्थ्य, शैक्षणिक प्रदर्शन और समग्र कल्याण के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

सोने से 30–60 पहले ही छोड़ दें फोन

लेखकों ने लिखा, षबिस्तर पर जाने के बाद स्क्रीन के समय में एक घंटे की वृद्धि अनिद्रा के लक्षणों की 59 प्रतिशत अधिक संभावना और 24 मिनट की नींद की अवधि में कमी से जुड़ी थी। शोधकर्ताओं ने कहा कि परिणाम ने संकेत दिया कि स्क्रीन आराम को विस्थापित करके नींद के समय को कम करती है, इसलिए नहीं कि वे जागने को बढ़ाती हैं – अलग–अलग गतिविधियों से जागने को अलग–अलग तरीके से प्रभावित करने की उम्मीद की जाती है। यदि आप नींद से जूझ रहे हैं और संदेह करते हैं कि स्क्रीन का समय एक कारक हो सकता है, तो बिस्तर पर स्क्रीन का उपयोग कम करने का प्रयास करें, आदर्श रूप से सोने से कम से कम 30–60 मिनट पहले इसे बंद कर दें,। लेखक ने कहा–यदि आप स्क्रीन का उपयोग करते हैं, तो रात के दौरान व्यवधानों को कम करने के लिए सूचनाओं को अक्षम करने पर विचार करें।

मेहंदी का तासीर ठंडी होती है और इसलिए गर्मियों के मौसम में ज्यादातर महिलाएं बालों पर मेहंदी लगाती है। लेकिन मेहंदी लगाने के बाद बाल ड्राई हो जाते हैं। अगर आपके हेयर्स मेहंदी लगने के बाद ड्राई हो जाते हैं, तो आप इन टिप्स को जरुर फॉलो करें। ऐसे में आप मेहंदी लगाते समय कुछ तरीकों को जरुर अपना सकते हैं। हर कोई अपने बालों की केयर जरुर करता है। मेहंदी जिसे हिना के नाम से भी जाना जाता है, इसका इस्तेमाल सदियों से प्राकृतिक हेयर डाई और कंडीशनर के रूप में किया जाता रहा है। ज्यादातर महिलाएं अपने बालों की केयर करने के लिए मेहंदी जरुर लगाती हैं। मेहंदी अपने ठंडक देने वाले गुणों, बालों को मजबूत और पोषण देने के साथ–साथ हेयर्स को एक समृद्ध, प्राकृतिक रंग देने की क्षमता के लिए जानी जाती है। लोग अपने बालों पर मेहंदी न केवल एक सुंदर लाल–भूरे रंग की टिंट पाने के लिए लगाते हैं, बल्कि स्कैल्प के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, रूसी को कम करने और बालों की बनावट को बेहतर बनाने के लिए भी लगाते हैं। लेकिन कई बार महिलाओं की ये शिकायत रहती है कि मेहंदी लगाने से बाल बहुत ज्यादा ड्राई हो जाते हैं और बीच से टूटने लगते हैं। ऐसे में आप मेहंदी लगाते समय कुछ तरीकों को जरुर अपना सकते हैं।

इस तरह से तैयार करें मेहंदी का घोल

मेहंदी का पेस्ट बनाने के दौरान आप इसमें मॉइस्चराइजिंग सामग्री मिलाएं। यह आपके बालों को मॉइस्चराइज करने में मदद करता। आप नारियल का दूध, जैतून का तेल या एलोवेरा जैसी चीजों को मिला सकते हैं। फिर आप इस पेस्ट को लगा सकते हैं।

मेहंदी लगाने से पहले बालों में तेल लगाएं

यदि आप बालों में मेहंदी लगाना पसंद करती हैं, लेकिन इसके बाद आपके हेयर्स ड्राई हो जाते हैं, तो आप मेहंदी लगाने से पहले बालों में हल्का–सा जैतून, नारियल या आर्गन तेल का बालों में लगा सकती है। इससे बालों में रुखापन नहीं आता मेहंदी बालों में अच्छी से लगा सकते हैं।

मेहंदी लगाने के बाद बालों को कवर करें

जब आप मेहंदी का पेस्ट बालों में लगा लें तो उसे ढकें जरुर। ऐसा करने से पेस्ट नम रखने और सूखने से बचाने में मदद मिलती है। इसके लिए आप अपने बालों को प्लास्टिक रैप या शॉवर कैप में लपेटें।

ज्यादा देर न लगाएं

कई बार होता है कि बालों पर जरुरत से ज्यादा मेहंदी लगाने से बाल ड्राई हो जाते हैं। जब भी आप बालों में मेहंदी लगाएं तो 25 से 30 मिनट के बाद हेयर वॉश करें।

बाल वॉश करने के लिए अपनाएं सही तरीका

कई बार ऐसा होता है कि मेहंदी लगाने के बाद बाल ड्राई हो जाते है और हेयर्स टूटने भी लगते हैं, तो आप मेहंदी ड्राई होने के बाद बालों को सही तरीके से वॉश करें। मेहंदी धोने के बाद अपने बालों को हल्के, सल्फेट–फ्री शैम्पू से धो सकते हैं। नमी बनाए रखने के लिए बालों को डीप कंडीशन करें।

## संक्षिप्त

### फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने लगभग 600 कस्टमर सपोर्ट स्टाफ को नौकरी से निकाला

फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने एक वर्ष में 600 कस्टमर सपोर्ट स्टाफ को नौकरी से निकाल दिया है। इन लोगों को जोमैटो एसोसिएट एक्सेलेरेटर प्रोग्राम के तहत नियुक्त किया गया था, जिसे पिछले साल लॉन्च किया गया था। ग्राहक सेवाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के अधिक उपयोग के कारण भी छंटनी हो रही है। इस बर्खास्तगी का असर कंपनी के गुरुग्राम और हैदराबाद कार्यालयों के कर्मचारियों पर पड़ा है। बिजनेस स्टैंडर्ड से बात करने वाले एक पूर्व कर्मचारी ने कहा, ष्नौकरी से निकाला जाना अप्रत्याशित था। हमारे साथ (जिन अन्य कर्मचारियों को भी नौकरी से निकाल दिया गया है) जो व्यवहार हुआ वह अनुचित था। मुझे अभी भी स्पष्ट रूप से नहीं पता कि मुझे नौकरी से क्यों निकाला गया, लेकिन इसे स्वीकार करना कठिन है।ष ज़ोमैटो ने अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी जारी नहीं की है। ज़ोमैटो ने कथित तौर पर अपने जोमैटो एसोसिएट एक्सेलेरेटर प्रोग्राम कार्यक्रम के तहत लगभग 1,500 लोगों को काम पर रखा था। शुरुआत में, ग्राहक सहायता भूमिकाओं के लिए नियुक्त किए गए इन कर्मचारियों को बेहतर भूमिकाओं में स्थानांतरित करने की उम्मीद थी। हालाँकि, उनके कार्यकाल के अंत में, कंपनी ने इनमें से कई अनुबंधों को नवीनीकृत नहीं किया। यह छंटनी कंपनी द्वारा अपने परिचालन को अनुकूलतम बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता–संचालित ग्राहक सहायता प्लेटफॉर्म श्नगेटश को लांच करने के एक महीने के भीतर हुई। यह प्लेटफॉर्म वर्तमान में ज़ोमैटो, ब्लिंकिट और हाइपरप्योर के लिए प्रति माह 15 मिलियन से अधिक ग्राहक इंटरैक्शन को संभालता है। प्लेटफॉर्म को लॉन्च करते समय, ज़ोमैटो के सह–संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) दीपिंदर गोयल ने लिखा, "नगेट का परिचय – एक एआई–नेटिव, नो–कोड ग्राहक सहायता प्लेटफ़ॉर्म। नगेट आसानी से स्केल सपोर्ट में मदद करता है और यह अत्यधिक अनुकूलन योग्य, कम लागत वाला है और इसके लिए किसी डेवलपर टीम की आवश्यकता नहीं है। कोई कठोर वर्कफ़्लो नहीं, बस सहज स्वचालन।" इसकी वेबसाइट पर मौजूद डेटा के अनुसार, नगेट के एआई एजेंट ग्राहकों की 80 प्रतिशत तक समस्याओं का समाधान करते हैं। वे अनुपालन को 20 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायता करते हैं, और समाधान समय में 20 प्रतिशत की कमी करने में मदद करते हैं।

### रुपया शुरुआती कारोबार में 23 पैसे की गिरावट के साथ 85.73 प्रति डॉलर पर

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी शुल्क को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 23 पैसे टूटकर 85.73 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वित्त वर्ष 2025–26 के पहले कारोबारी सत्र में बुधवार को रुपया कमजोर रुख के साथ खुला। अमेरिका की जवाबी शुल्क की चिंताओं के कारण निवेशक इसके प्रभाव को लेकर सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.65 पर खुला।

इसके बार और लुढ़ककर 85.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 23 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.50 पर बंद हुआ था। यह वित्त वर्ष 2025–26 का पहला कारोबारी सत्र है। एक अप्रैल को बैंकों की वार्षिक खाता बंदी के कारण मंगलवार को मुद्रा व बॉण्ड बाजार बंद थे। 31 मार्च को ईद–उल–फित्र के अवसर पर शेयर, मुद्रा, जिंस और वायदा–विकल्प बाजार बंद रहे थे। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.19 पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.51 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,901.63 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

### घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सत्र में भारी गिरावट के बाद शुरुआती कारोबार में तेजी

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सत्र की गिरावट के बाद बुधवार को शुरुआती कारोबार में तेजी लौटी। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 256.82 अंक की बढ़त के साथ 76,281.33 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 84.9 अंक चढ़कर 23,250.60 अंक पर रहा। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, जोमैटो और अदाणी पोर्ट्स के शेयर फायदे में रहे। नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाटा मोटर्स के शेयर नुकसान में रहे। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की तथा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.51 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,901.63 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लिवाल रहे और उन्होंने 4,322.58 करोड़ रुपये मूल्य की शेयर खरीदे।

# पंजाब किंग्स को शुरुआती दो मैच जिताने वाले चौथे कप्तान हैं श्रेयस अय्यर, बल्ले से भी दिखा रहे दम

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स ने नए कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में आईपीएल 2025 की अच्छी शुरुआत की है और अपने दोनों मुकाबले जीत लिए हैं। पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को आठ विकेट से हराकर इस सत्र की अपनी दूसरी जीत दर्ज की। मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान टीम ने 20 ओवर में सात विकेट खोकर 171 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर 177 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया।

**चौथी बार सीजन में जीते शुरुआती दो मैच**

पंजाब ने चौथी बार सत्र की शुरुआत में दो मुकाबले जीते हैं। इससे पहले टीम ने 2014, 2017, 2023 में शुरुआती दो मुकाबले जीते थे। लगातार दो मैचों में जीत के साथ पंजाब अंक तालिका में चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई। इसके साथ ही श्रेयस अय्यर पंजाब के चौथे कप्तान बन गए जिनके नेतृत्व में टीम ने आईपीएल सीजन के शुरुआती दो मैच अपने नाम किए हैं। अय्यर से पहले 2014 में जॉर्ज बेली, 2017 में ग्लेन मैक्सवेल और 2023 में शिखर धवन के नेतृत्व में पंजाब ने लगातार दो मैच जीते थे।

**लखनऊ में दर्ज की दूसरे सबसे बड़ी जीत**

पंजाब ने 22 गेंद शेष रहते ही यह मुकाबला अपने नाम कर लिया था जो लखनऊ में गेंदों के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इकाना स्टेडियम पर आईपीएल में ज्यादा गेंद शेष रहते लक्ष्य प्राप्त करने का रिकॉर्ड लखनऊ सुपर जाएंट्स के नाम है जिसने 2023 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 24 गेंद शेष रहते ही जीत दर्ज कर ली थी।

वहीं, दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले सीजन लखनऊ के खिलाफ 11 गेंद शेष रहते जीत हासिल की थी।

**दो मैचों बाद पंजाब के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले दूसरे कप्तान**

श्रेयस अय्यर बल्ले से भी अच्छी फॉर्म में नजर आ रहे हैं और उन्होंने लगातार दो मैचों में अर्धशतक जड़ा है। पहले मैच में श्रेयस 97 रन बनाकर नाबाद रहे थे, जबकि लखनऊ के खिलाफ भी वह 52 रन बनाकर नाबाद लौटे। श्रेयस इस तरह दो आईपीएल मैचों के बाद सर्वाधिक रन बनाने वाले पंजाब के दूसरे कप्तान बन गए हैं। श्रेयस अब तक 149 रन बना चुके हैं और उन्होंने इस मामले में मयंक अग्रवाल, ग्लेन मैक्सवेल और युवराज सिंह को पीछे छोड़ दिया है। श्रेयस से आगे बस केएल राहुल हैं जिन्होंने पंजाब के कप्तान रहते शुरुआत दो मैचों में 153 रन बनाए थे।

# जोश में होश गंवाना दिग्वेश राठी को पड़ा भारी, बीसीसीआई ने लगाया जुर्माना; एक डिमेरिट अंक भी जुड़ा

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स के स्पिनर दिग्वेश सिंह राठी को पंजाब किंग्स के खिलाफ विकेट लेने के बाद जोश में होश गंवाना भारी पड़ गया है। दिग्वेश ने मैच के दौरान पंजाब के बल्लेबाज प्रियांश आर्या को आउट किया था और जब वह पवेलियन लौट रहे थे तो दिग्वेश ने अनुचित व्यवहार किया था। दिग्वेश का उत्साह मनाने का तरीका उचित नहीं था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अब दिग्वेश पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है और साथ ही एक डिमेरिट अंक में जोड़ा है।

**दिग्वेश ने किया आईपीएल के आचार संहिता का उल्लंघन**

प्रियांश जब आउट होने के बाद पवेलियन की ओर जा रहे थे तो दिग्वेश ने उन्हें लेटर राइटिंग का इशारा किया था। बीसीसीआई ने इसे आईपीएल के आचार संहिता का उल्लंघन माना और दिग्वेश पर जुर्माना लगाया। पंजाब किंग्स ने लखनऊ के इकाना स्टेडियम पर खेले गए इस मुकाबले में आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। आईपीएल ने बयान में बताया, दिग्वेश ने आईपीएल की आचार संहिता की धारा 2.5 के लेवल एक के आरोप और मैच रेफरी द्वारा लगाए जुर्माने को स्वीकार किया। लेवल एक के उल्लंघन के मामले में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम होता है। लखनऊ ने इस मुकाबले में पंजाब के सामने जीत के लिए 172 रनों का लक्ष्य रखा था। पंजाब की पारी के तीसरे ओवर के दौरान दिग्वेश ने शॉर्ट गेंद की जिस पर प्रियांश आउट हो गए। शार्दुल ठाकुर ने प्रियांश का कैच पकड़कर उनकी पारी का अंत किया था। प्रियांश ने नौ गेंदों पर आठ रन बनाए थे। इसी के बाद दिग्वेश ने विवादित तरीके से जश्न मनाया। मालूम हो कि दिग्वेश और प्रियांश दिल्ली टी20 लीग में एक ही टीम के लिए खेलते हैं।

**गावस्कर–कैफ को भी नहीं पसंद आया रवैया**

अंपायर ने दिग्वेश के रवैये पर तुरंत ही संज्ञान लिया और गेंदबाज के साथ बात की। मैच के दौरान कमेंट्री कर रहे पूर्व भारतीय दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर और मोहम्मद कैफ को भी दिग्वेश का यह रवैया पसंद नहीं आया। दिग्वेश ने इस मैच में चार ओवर के स्पैल में 30 रन देकर दो विकेट लिए। हालांकि, उनका यह प्रयास भी टीम को जीत नहीं दिला सका और पंजाब ने 16.2 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही पंजाब की टीम दो मैचों में चार अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

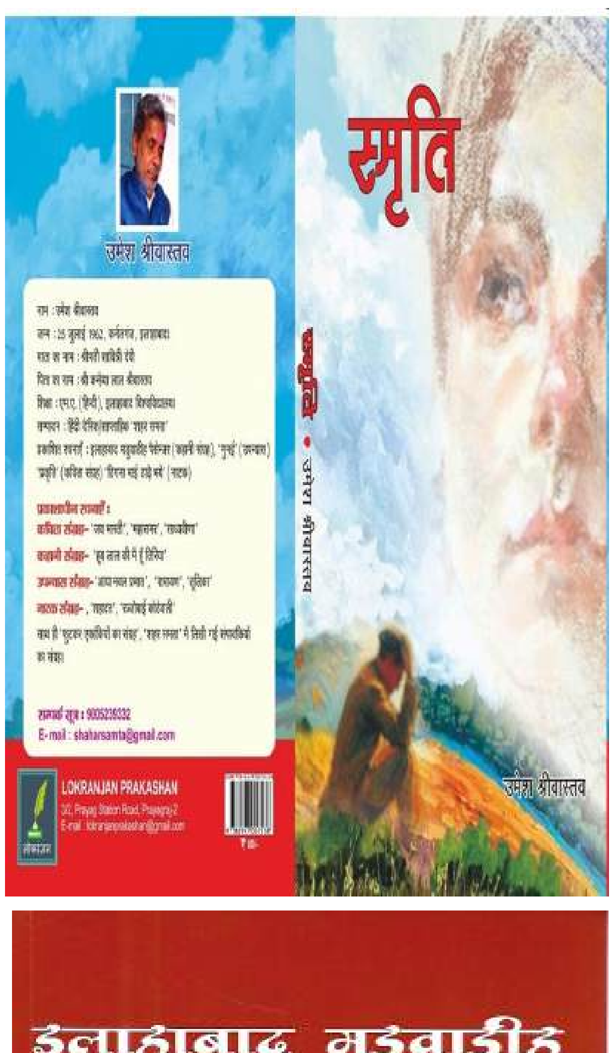


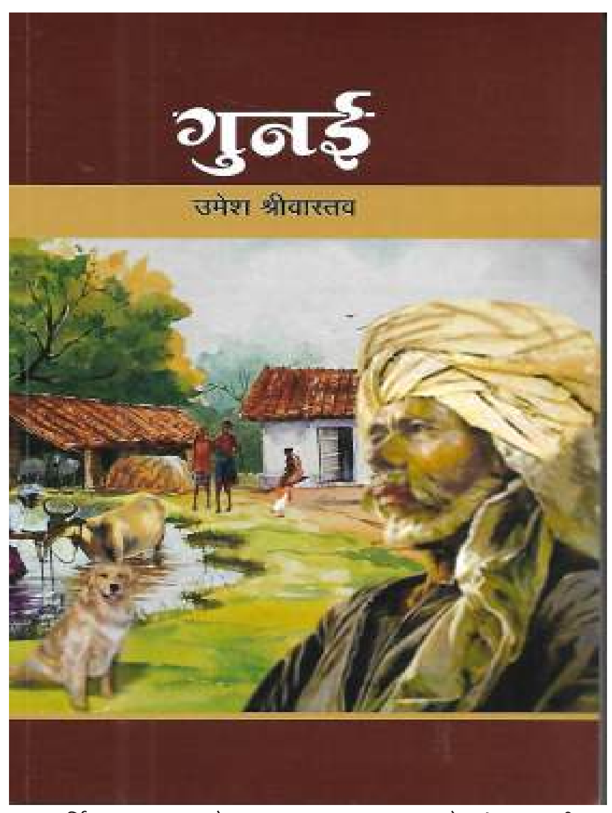


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

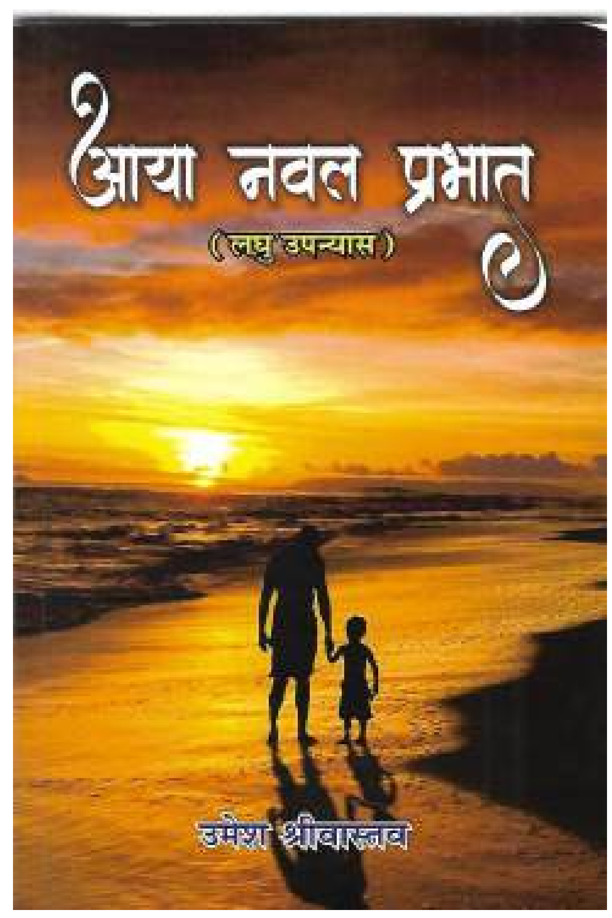


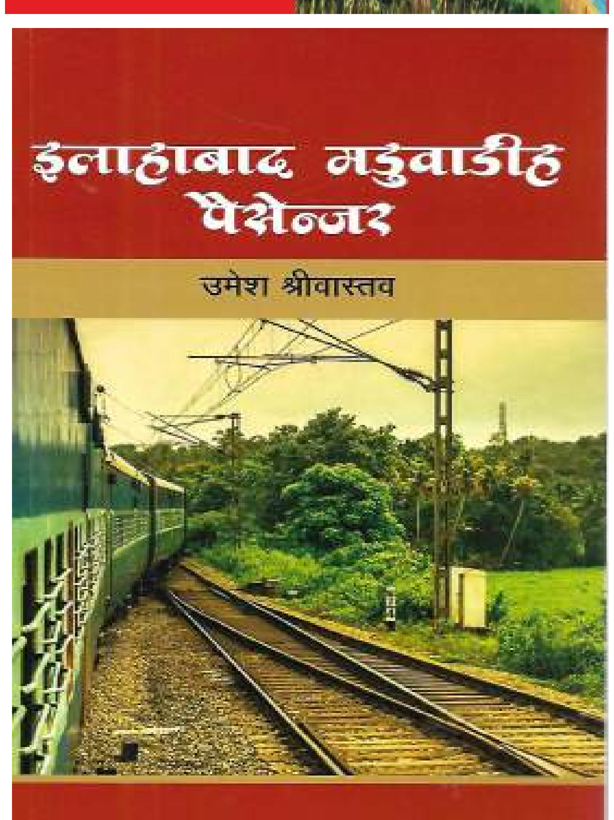


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

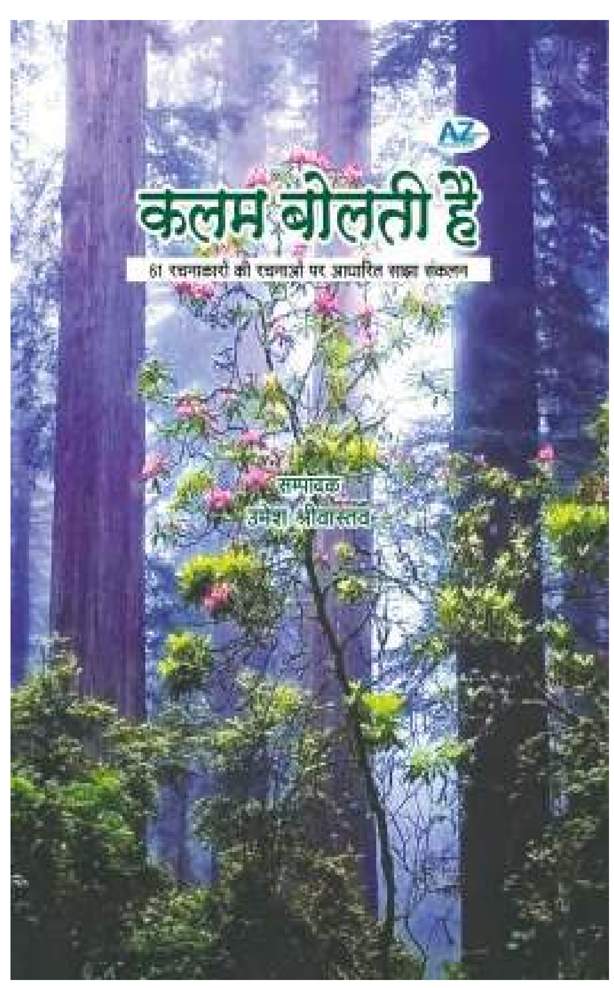


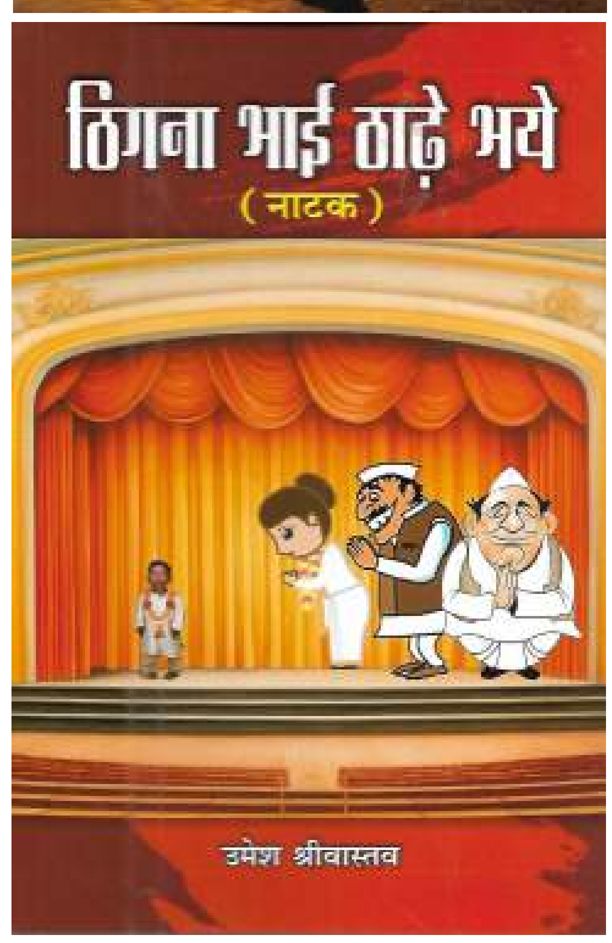


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### चीनी सेना ने ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया

चीनी सेना ने मंगलवार को ताइवान के आसपास के जलक्षेत्र और हवाई क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ईस्टर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता शी यी के अनुसार इस सैन्य अभ्यास में नौसेना, वायु सेना और रॉकेट बल शामिल थे और इसका उद्देश्य ''ताइवान की स्वतंत्रता को गंभीर

चेतावनी देना'' था। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''चीन की जबरदस्त सैन्य उकसावेबाजी न केवल ताइवान जलडमरूमध्य में शांति के लिए खतरा है बल्कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा को कमजोर करती है। हम चीन के आक्रामक व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं।'' ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने कहा, ''मैं कहना चाहता हूं कि ये कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के विनाश को प्रतिबिंबित करती हैं।'' कू ने कहा कि ताइवान ने इस तरह के अभ्यासों की निगरानी के लिए एक केंद्रीय समूह स्थापित किया है। वहीं चीन की समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने अपनी एक खबर में कहा कि ईस्टर्न थिएटर कमान ने ''ताइवान द्वीप के उत्तर, दक्षिण और पूर्व में जलक्षेत्र में व्यापक अभ्यास'' किया। कमान ने कहा कि सैन्य अभ्यास का उद्देश्य ''एकीकृत अभियान, परिचालन नियंत्रण हासिल करने और बहु–दिशात्मक सटीक हमले करने की सैनिकों की क्षमताओं का परीक्षण करना था।

### इटली का सबसे बड़ा श्रमिक संगठन प्रवासी भारतीय की मौत के मामले में अभियोजन पक्ष में शामिल

इटली के सबसे बड़े श्रमिक संगठन ने मंगलवार को कहा कि वह प्रवासी भारतीय श्रमिक की हत्या के मामले में खेत मालिक के खिलाफ अभियोजन पक्ष में शामिल हो रहा है। लैटिना प्रांत में 17 जून 2024 को प्रवासी भारतीय सतनाम सिंह (31) का हाथ एक कृषि उपकरण से कट गया था और ज्यादा खून बहने से उनकी मौत हो गई थी। लैटिना रोम के दक्षिण में एक कृषि प्रधान प्रांत है। आरोप हैं कि खेत के मालिक एंटोनेलो लोवेटो (39) ने हाथ कटने के बाद सिंह को खून से लथपथ हालत में वहीं छोड़ दिया था और एम्बुलेंस भी नहीं बुलाई। मंगलवार को इस मामले

में सुनवाई शुरू हुई जिसमें लोवेटो ने कहा कि जब उसने सिंह को खून से लथपथ हालत में देखा तो वह घबरा गया था। समाचार एजेंसी 'एएनएसए' ने अपनी खबर में बताया कि आरोपी ने कहा, ''मैं नहीं चाहता था कि वह मर जाए।'' अदालत के बाहर श्रमिक संगठन के सदस्यों ने इटली के कृषि क्षेत्र में शोषण करने वाले माहौल और कम वेतन के खिलाफ प्रदर्शन किया। देश के सबसे बड़े श्रमिक संगठन 'सीजीआईएल' के महासचिव मौरिजियो लैंडिनी ने संगठन के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा, ''जो हुआ वह किसी से छिपा नहीं है। कम वेतन में और अमानवीय परिस्थितियों में काम कराने की संस्कृति को बदलने की जरूरत है।'' समाचार समिति 'लाप्रेस' ने लैंडिनी के हवाले से कहा कि 'सीजीआईएल' शिकायतकर्ता के रूप में अभियोजन पक्ष में शामिल हो रही है। मुकदमे की अगली सुनवाई 27 मई को होगी।

### नाटो में ट्रंप प्रशासन के राजदूत होंगे मैट व्हिटकर, सीनेट ने दी नियुक्ति की मंजूरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी सीनेट ने मैट व्हिटकर को नाटो में अमेरिका का राजदूत बनाने की मंजूरी दे दी है। मंगलवार की शाम को सीनेट ने 52–45 वोटों से व्हिटकर की नियुक्ति की पुष्टि की। ट्रंप के पिछले कार्यकाल में व्हिटकर न्याय विभाग में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इस बार ट्रंप ने उन्हें विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी है। सीनेट की सुनवाई के दौरान व्हिटकर ने सीनेटर्स को विश्वास दिलाया कि ट्रंप प्रशासन का नाटो के प्रति समर्पण अडिग है।

ट्रंप ने व्हिटकर को बताया वफादार देशभक्त

व्हिटकर ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अटॉर्नी जनरल जेफ सेशंस के चीफ ऑफ स्टाफ थे, और फिर उन्हें कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल बना दिया गया था क्योंकि उनके बॉस सेशंस को 2016 के चुनाव में रूसी प्रभाव की विभाग की जांच से खुद को अलग करने के बाद पद से हटा दिया गया था। इस बार भी ट्रंप ने न्याय विभाग में ही व्हिटकर की नियुक्ति पर विचार किया था, लेकिन बाद में उन्हें नाटो में राजदूत नियुक्त करने का फैसला किया। ट्रंप ने एक बयान में कहा कि व्हिटकर को श्एक मजबूत योद्धा और वफादार देशभक्तश बताया, जो यह सुनिश्चित करेंगे कि संयुक्त राज्य अमेरिका के हितों को आगे बढ़ाया जाए और उनकी रक्षा की जाए।

नाटो को लेकर कई बार सवाल उठा चुके हैं ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को लेकर थोड़े संदेहपूर्ण रहे हैं। नाटो को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका और अन्य देशों द्वारा तत्कालीन सोवियत संघ का मुकाबला करने के लिए बनाया गया था। वहीं ट्रंप द्वारा जिस तरह से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का समर्थन किया जाता है और वे नाटो में सहयोगी यूरोपीय देशों की प्रतिबद्धता पर जिस तरह से सवाल उठाते रहे हैं, उससे भी नाटो कमजोर हुआ है।


### आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
. 919450482227


# कोई तो रोक लो...ट्रंप के विरोध में सांसद ने दिया 25 घंटे तक नॉन स्टॉप भाषण, जमकर सुनाई खरी खोटी

1957 का साल संयुक्त राष्ट्र का मंच भारत के पूर्व केंद्रीय मंत्री वीके कृष्ण मेनन आठ घंटे से अधिक समय तक भाषण दिया था। इसके लिए उनका नाम गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी शामिल किया गया था। ये तो सभी को पता है कि डोनाल्ड ट्रम्प बहुत अधिक बातें करते हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सार्वजनिक टिप्पणियों को टाइप करने में व्हाइट हाउस (राष्ट्रपति भवन) के स्टेनोग्राफर के पसीने छूटने की खबरें बीते दिनों हमने भी रिपोर्ट की थी। लेकिन अमेरिका में ट्रंप केक विरोध में एक सांसद ने लगातार 24 घंटे से ज्यादा समय तक बोलते हुए एक नया ही मानक स्थापित कर दिया है। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप को जमकर खरी खोटी सुनाई है। न्यू जर्सी के डेमोक्रेटिक सीनेटर कोरी बुकर ने 25 घंटे और 5 मिनट

तक चले मैराथन भाषण के साथ सीनेट के फ्लोर पर कब्जा कर लिया, जिसने चौंबर के इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार सीनेट फ्लोर भाषण का रिकॉर्ड बनाया। बुकर के भाषण ने 1957 में दिवंगत सीनेटर स्ट्रोम थर्मंड द्वारा निर्धारित 24 घंटे और 18 मिनट के फिलिबस्टर को पीछे छोड़ दिया, जो नागरिक अधिकार कानून को रोकने का एक प्रयास था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन की कार्रवाइयों के विरोध में बुकर ने सोमवार को शाम 6:59 बजे बोलना शुरू किया। बुकर ने जब तक वे शारीरिक रूप से सक्षम हैं, तब तक संयुक्त राज्य अमेरिका की सीनेट के सामान्य कामकाज को बाधित करने का इरादा जताया। उन्होंने मंगलवार रात 8:05 बजे मंच छोड़ा और लगभग सात दशकों से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ एक नया ही रिकॉर्ड कायम कर दिया। बुकर अपने ऐतिहासिक भाषण के दौरान अकेले नहीं थे। कई मौकों पर सीनेट के अल्पसंख्यक नेता चक शूमर, सीनेटर क्रिस मर्फी, सीनेटर एमी क्लोबुचर, सीनेटर माज़ी हिरोनो और सीनेटर डिक डर्बिन सहित उनके दर्जनों डेमोक्रेटिक सहयोगी सदन में उनके साथ शामिल हुए। कुछ लोगों ने उनके साथ लंबी बातचीत की, एक ऐसी रणनीति जिसने बुकर को सदन के पटल पर नियंत्रण बनाए रखते हुए अपनी आवाज़ को शांत रखने की अनुमति दी। सदन के अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीस और कांग्रेसनल ब्लैक कॉकस के सदस्यों सहित डेमोक्रेट भी सीनेट कक्ष में देखने आए। बुकर के चचेरे भाई और भाई, साथ ही डेमोक्रेटिक सहयोगी गैलरी से देख रहे थे। सीनेट के नियमों के अनुसार, किसी सीनेटर को सदन पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए लगातार खड़े होकर बोलना चाहिए। वे ब्रेक के लिए चौंबर से बाहर नहीं जा सकते या शौचालय का उपयोग नहीं कर सकते, और उन्हें पूरे समय खड़े रहना चाहिए। बुकर ने इन नियमों का सख्ती से पालन किया। उन्होंने अपने भाषण से पहले कई दिनों तक उपवास किया था और रात को तरल पदार्थ पीना बंद कर दिया था, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे यथासंभव लंबे समय तक बोल सकें। थरमंड के विपरीत, जिन्होंने कथित तौर पर 1957 में अपने फिलिबस्टर के दौरान बाथरूम ब्रेक लिया था, बुकर अपने पूरे भाषण के दौरान चौंबर में ही रहे।

## यमन में अमेरिका के ताबड़तोड़ हमले, हूती विद्रोहियों का दावा- होदेदा के पास 4 लोग मारे गए

दुबई। यमन के विद्रोही–नियंत्रित क्षेत्रों में बुधवार को अमेरिका ने कथित तौर पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए। हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि लाल सागर के बंदरगाह शहर होदेदा के पास एक हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर लगातार हवाई हमले किए जा रहे हैं। यह स्थिति इस्राइल–हमास युद्ध से उत्पन्न हुई है, जिसके चलते हूतियों को निशाना बनाया जा रहा है। हूतियों ने दावा किया है कि पिछले कुछ समय में कम से कम 65 लोग मारे गए हैं।

ईरान पर दबाव बनाने का प्रयास

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी अभियान के रुकने के कोई संकेत नहीं हैं, क्योंकि ट्रंप प्रशासन ईरान के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। इसलिए ईरान समर्थित हूतियों पर लगातार हवाई हमले जारी हैं।

नौवहन की स्वतंत्रता बहाल होने तक जारी रहेंगे हमलेरू लेविट

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि अब तक 200 से अधिक हवाई हमले किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमलों के परिणामस्वरूप ईरान कमजोर हुआ है। लेविट ने कहा कि उन्होंने नौसेना के जहाजों और वाणिज्यिक जहाजों पर हमले करने वाले हूती सदस्यों को मार गिराया है। लेविट ने संकेत दिया कि ये हमले तब तक नहीं रुकेंगे, जब तक कि लाल सागर क्षेत्र में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल नहीं हो जाती है।

मंसूरिया जिले में जल परियोजना को बनाया निशाना

इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने अभी तक अपने किसी नेता के मारे जाने की बात स्वीकार नहीं की है और न ही अमेरिका ने किसी अधिकारी का नाम बताया है। ताजा हमला होदेदा गवर्नरेट के मंसूरिया जिले में हूती नियंत्रित जल परियोजना को निशाना बनाकर किया गया। इस हमले में चार लोग मारे गए और अन्य घायल हुए हैं। विद्रोहियों ने कहा कि बुधवार को अन्य हमलों में हज्जाज, सादा और सना गवर्नरेट को निशाना बनाया गया।

ट्रूमैन का समर्थन करने के लिए यूएसएस कार्ल विंसन रवाना

दूसरी तरफ, हूतियों ने दावा किया है कि उन्होंने लाल सागर में अमेरिकी विमानवाहक पोत–यूएसएस हैरी एस ट्रूमैन पर हमले जारी रखे हैं, जो हूतियों पर अधिकांश हमले कर रहा है। वहीं, विमानवाहक पोत यूएसएस कार्ल विंसन ट्रूमैन का समर्थन करने के लिए एशिया से मध्यपूर्व की ओर रवाना हो गया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने बुधवार सुबह कहा कि क्षेत्र में अतिरिक्त स्क्वाड्रन और अन्य हवाई संपत्तियां तैनात की जाएंगी। हालांकि उन्होंने विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी।

### अमेरिका का मुक्ति दिवसः गलत कारोबारी प्रथाएं होंगी खत्म, कैरोलिन बोलीं- कामगारों के हित में होगा जवाबी शुल्क

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बुधवार को अमेरिका के साथ कारोबार करने वाले देशों पर जवाबी शुल्क की घोषणा करने वाले हैं। ट्रंप ने इस दिन को अमेरिकी कारोबार के लिए मुक्ति दिवस का नाम दिया है। इस दौरान अमेरिकी संसद में सभी मंत्रियों व सदस्यों के मौजूद रहने की संभावना है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा, बुधवार को अमेरिका में मुक्ति दिवस मनाया जाएगा, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने गर्व से कहा है। राष्ट्रपति ट्रंप टैरिफ योजना की घोषणा करेंगे और यह नई व्यवस्था दशकों से हमारे देश को लूटने वाली अनुचित व्यापार प्रथाओं को खत्म करेगी। यह अमेरिकी कामगारों के सर्वोत्तम हित में होगा। लेविट ने कहा, दुर्भाग्य से, ये देश बहुत लंबे समय से

हमारे देश को लूट रहे हैं। आप इन पर गौर करें तो अमेरिकी डेयरी पर यूरोपीय संघ 50: (टैरिफ) और अमेरिकी चावल पर जापान 700: टैरिफ लगाता है। भारत भी पीछे नहीं है, वह अमेरिकी कृषि उत्पादों पर 100: टैरिफ लगाता है। कनाडा भी अमेरिकी मक्खन और पनीर पर लगभग 300: टैरिफ वसूलता है। इससे इन बाजारों में अमेरिकी उत्पादों का आयात करना लगभग असंभव हो गया है और इसने पिछले कई दशकों में बहुत से अमेरिकियों को व्यवसाय और रोजगार से बाहर कर दिया है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की 2025 राष्ट्रीय व्यापार अनुमान (एनटीई) रिपोर्ट में दावा किया कि भारत कृषि वस्तुओं, दवा निर्माण और मादक पेय पदार्थों जैसी कई अमेरिकी वस्तुओं पर उच्च आयात शुल्क के साथ गैर–टैरिफ बाधाएं बरकरार रखी हुई हैं। जवाबी शुल्कों की घोषणा से एक दिन पहले जारी रिपोर्ट में कहा गया कि भारत वनस्पति तेल (45 प्रतिशत तक), सेब, मक्का और मोटरसाइकिल (50 प्रतिशत), ऑटोमोबाइल और फूल (60 प्रतिशत), प्राकृतिक रबर (70 प्रतिशत), कॉफी, किशमिश और अखरोट (100 प्रतिशत) पर काफी ऊंचा शुल्क लगाता है। इसके अलावा, भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की सूची में शामिल आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं और दवा निर्माणों पर बहुत अधिक बुनियादी सीमा शुल्क लागू कर रखा है।

रिपोर्ट के मुताबिक कृषि उत्पादों पर भारत की विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) बाध्य टैरिफ दरें दुनिया में सबसे अधिक हैं। यूएसटीआर की रिपोर्ट पर जवाब देते हुए ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि अमेरिका के कारोबार नीति में संशोधन को लेकर लगातार दबाव के बीच भारत को अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकता के नजरिये से अमेरिकी मांगों का आकलन करना चाहिए। इन्हें विकास, लक्ष्य और सांस्कृतिक मूल्यों की कसौटी पर कसना चाहिए। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि व्यापक क्षेत्र स्तर पर, भारत और अमेरिका के बीच संभावित टैरिफ अंतराल विभिन्न क्षेत्रों में अलग–अलग हैं।

## रक्षा मंत्री कैट्ज बोले- गाजा में इस्राइल ने सैन्य अभियान का विस्तार किया, खान यूनिस पर हमलों में 17 मरे

यरूशलम। रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज ने बुधवार को कहा कि गाजा पट्टी में इस्राइल का सैन्य अभियान विस्तार कर रहा है। उन्होंने कहा कि फलस्तीनी क्षेत्र में यह आक्रमण आतंकवादियों और उनके बुनियादी ढांचे को नष्ट करने के लिए किया जा रहा है। अभियान के तहत बड़े क्षेत्रों पर कब्जा किया जा रहा है, जिन्हें इस्राइल के सुरक्षा क्षेत्रों में जोड़ा जाएगा। नासिर अस्पताल के

अधिकारियों के अनुसार, खान यूनिस शहर पर रातभर हवाई हमलों में 17 लोग मारे गए हैं। कैट्ज ने कहा कि इस्राइल की सुरक्षा परिधि उत्तरी और पूर्वी गाजा में सीमा के साथ लगती है और दशकों से देश की रक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। इसका उपयोग क्षेत्र के पास रहने वाले अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किया जाता है।

गाजावासियों से हमास को खदेड़ने की अपील

रक्षा मंत्री कैट्ज ने गाजावासियों से हमास को खदेड़ने की अपील की, जिसने अभी भी 59 लोगों को बंधक बना रखा है। इन बंधकों में 24 के अभी भी जीवित होने का अनुमान है। हालांकि, शेष बंधकों को युद्धविराम और अन्य समझौतों के तहत रिहा किया जा चुका है। कैट्ज ने बाकी बंधकों को वापस करने को कहा।

खान यूनिस में इस्राइली हवाई हमलों में 17 की मौत

इस्राइल ने गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर खान यूनिस पर रातभर हवाई हमले किए। इन हमलों में 17 लोग मारे गए। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि हवाई हमलों में मारे गए 12 लोगों के शव नासिर अस्पताल लाए गए। मृतकों में पांच महिलाएं और दो बच्चे शामिल थे। मृतक महिलाओं में एक गर्भवती थी। अधिकारियों ने बताया कि हमले में एक परिवार के तीन पुरुष मारे गए हैं। जिस घर पर बमबारी की गई, उसके मालिक की भी मौत हो गई। इसके अलावा, गाजा यूरोपीय अस्पताल को पांच लोगों के शव मिले, जो दो अलग–अलग हवाई हमलों में मारे गए।

खाद्य संकट पर संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में लंबे समय तक भोजन उपलब्ध होने के इस्राइल के दावे को हास्यास्पद बताया। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि गाजा में खाद्य संकट बहुत गंभीर है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि विश्व खाद्य कार्यक्रम को गाजा में अपनी सभी 25 बेकरी बंद करनी पड़ी, क्योंकि उनके पास खाना पकाने के लिए ईंधन की कमी है। दुजारिक ने कहा कि इस्राइल ने एक महीने पहले गाजा में सभी क्रॉसिंग बंद कर दी थीं, जिससे मानवीय आपूर्ति बंद हो गई।

## पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

कराची। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की तबीयत बिगड़ गई है। इसके बाद करची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। समाचार ट्रिब्यूनश के हवाले से मंगलवार अली जरदारी को बुखार और वजह से उन्हें कराची से करीब अस्पताल लाया गया। रिपोर्ट के कई मेडिकल जांच की गई और से नजर रख रहे हैं। वह सोमवार लिए नवाबशाह गए थे। इससे पार्टी के नेताओं के साथ बैठक भी

एजेंसी पीटीआई ने श्द एक्सप्रेस को बताया कि 69 साल के आसिफ संक्रमण की शिकायत हुई। इस 300 किलोमीटर दूर नवाबशाह से मुताबिक, राष्ट्रपति जरदारी की डॉक्टर उनकी स्थिति पर बारीकी को ईद की नमाज अदा करने के पहले रविवार को उन्होंने अपनी की थी।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ हालचाल जाना

समाचार एजेंसी पीटीआई ने पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपीपी) के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने टेलीफोन पर राष्ट्रपति जरदारी के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।


प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए, कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com


इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।